आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक 121- ● जबलपुर ● बुधवार, 2 जून, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष -7 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

रामदेव ने अब ज्योतिष पर साधा निशाना

एलोपैथी के बाद अब बाबा रामदेव ने ज्योतिष पर निशाना साधा है। योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि सारे मुहूर्त भगवान ने बना रखे हैं। ज्योतिषी काल, घड़ी, मुहूर्त के नाम पर बहकाते रहते हैं। यह भी पूरे एक लाख करोड़ की इंडस्ट्री है। बैठे-बैठे ही किस्मत बताते हैं। जब मोदी जी ने पांच सौ और एक हजार के नोट बंद किए तो किसी को पता नहीं चला। किसी ज्योतिषी ने यह भी नहीं बताया कि कोरोना आने वाला है। किसी ने नहीं बताया कि इसके बाद ब्लैक फंगस भी आने वाला है।

एप में टीकाकरण का स्टेटस दिखेगा

लोगों की सुविधा के अनुसार आईटी और इलेक्ट्रॉनिक मंत्रालय कोरोना से जुड़े सरकारी ऐप में अपडेट करता रहता है। अब कोई भी आरोग्य सेतु ऐप से कोरोना वैक्सीनेशन का स्टेट्स भी पता कर सकता हैं। जिन लोगों ने टीके की दोनों खुराक ले ली हैं उन्हें ऐप के होम पेज पर ब्लू शिल्ड मिलेगा। आरोग्य सेतु के उपयोगकर्ताओं और दो ब्लू टिक के साथ ये ब्लू शिल्ड दिखाई देगा। ये सुविधा लोग टीके की दूसरी खुराक के 14 दिन के बाद ही देख पाएंगे।

विदेशी टीका कंपनियों को भारत में ट्रायल करने से मिली छूट

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर और बढ़ते मामलों के खतरे को देखते हुए सरकार सिर्फ वैक्सीनेशन की रफ्तार को बढ़ाने पर जोर दे रही है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा वैक्सीन कंपनियों का भारत में होना जरूरी है। इसलिए टीकाकरण की रफ्तार को बढ़ाने के लिए डीसीजीआई ने एक बड़ा फैसला लिया है।

नहीं होगा अलग से स्थानीय ट्रायल

भारतीय दवा नियामक कंपनी यानी डीसीजीआई ने अब फाइजर और मॉडर्ना कंपनी को जल्द से जल्द भारत लाने के लिए इनके अलग से ट्रायल कराने की शर्तों को हटा दिया है। आसान भाषा में समझें तो जिन वैक्सीन को अमेरिकी एफडीए और विश्व स्वास्थ्य संगठन से आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई है, उन्हें भारत में अलग से ट्रायल प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा। बता दें कि अभी तक किसी भी विदेशी कंपनी को भारत में कोरोना वायरस रोधी टीका शुरू करने से पहले ब्रिजिंग ट्रायल करना होता था। इसमें सीमित संख्या में

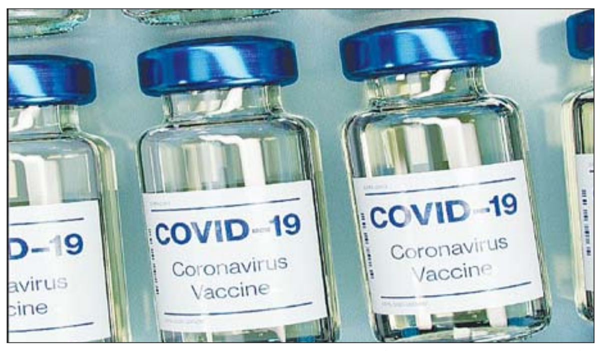

स्थानीय स्वयंसेवकों पर टीके की प्रभावकारिता और सुरक्षा को परखा जाता है, जिससे अब कंपनियों को छूट मिल गई है।

दवा नियामक कंपनी ने जारी किया नोटिस

डीसीजीआई के अध्यक्ष वीजी सोमानी ने नोटिस जारी कर इस बात की जानकारी दी है। बता दें कि फाइजर और मॉडर्ना वो विदेशी वैक्सीन कंपनियां है, जिन्होंने सरकार से क्षतिपूर्ति और भारत में अलग से ट्रायल को लेकर छूट की मांग की थी। हालांकि भारत सरकार ने क्षतिपूर्ति पर कोई फैसला नहीं दिया है लेकिन अलग से ट्रायल ना कराने वाली बात मान ली है।

लाखों लोगों पर इस्तेमाल होने वाली वैक्सीन को मिलेगी छूट

डीसीजीआई ने कहा कि ऐसे टीकों को मंजूरी दी जाती है जो अमेरिकी एफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए, पीएमडीए जापान द्वारा स्वीकृत हैं या डब्ल्यूएचओ के आपात इस्तेमाल सूची में सूचीबद्ध हैं और जिनका इस्तेमाल पहले ही लाखों लोगों पर किया जा चुका है। सीडीएल, कसौली द्वारा टीके की जांच करने तथा ब्रिजिंग ट्रायल से छूट दी जा सकती है।

दिसंबर 2021 तक सभी वयस्कों को टीका लगाने का दावा

हालांकि नोटिस में कहा गया है कि इन टीके के पहले 100 लाभार्थियों पर सुरक्षा के मद्देनजर सात दिन तक निगरानी करनी होगी। बता दें कि सरकार ने दावा किया है कि वो जुलाई-अगस्त तक हर दिन एक करोड़ लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाएगी और दिसंबर 2021 तक देश की व्यस्क आबादी का टीकाकरण पूरा हो जाएगा। हालांकि इस लक्ष्य को पूरा करने में सबसे बड़ी बाधा वैक्सीन की कमी है। ऐसे में विदेशी टीकों के आयात से वैक्सीन की कमी को पूरा किया जा सकता है।

फटाफट खबरें

चलती ट्रेन में इंदौर की युवती की हत्या में वेंडर का नाम सामने आया!

इंदौर। इंदौर से बिलासपुर जा रही नर्मदा एक्सप्रेस में मंगलवार रात को हुई एक युवती मुस्कान हाड़ा (27) की सनसनीखेज हत्या के आरोपित तक पुलिस पहुंच गई है। इस घटना में वेंडर सागर सोनी का नाम सामने आया है। वेंडर और युवती एक-दूसरे से परिचित है तथा इसी कारण युवती अपने पति से अलग रह रही थी। बिलासपुर एक्सप्रेस में मुस्कान हाड़ा नामक युवती की हत्या हुई है। फ़िलहाल संदेह के तौर पर इंदौर के सागर सोनी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जल्द ही घटना का सच सामने आ जाएगा।

मप्र में बोर्ड बारहवीं की परीक्षा को लेकर आज होगा निर्णय

भोपाल । उमप्र बोर्ड बारहवीं की परीक्षा को लेकर क्या होगा सवाल सभी के मन में है। मप्र बोर्ड दसवीं की परीक्षा रद कर दी गई है और बारहवीं की परीक्षा की तिथि घोषित करने को लेकर जल्द ही निर्णय होने वाला था, लेकिन सीबीएसई 12वीं की परीक्षा रद होने के बाद अब मप्र बोर्ड भी परीक्षा को लेकर विचार करेगा। बुधवार को 12वीं परीक्षा को लेकर स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री अधिकारियों के साथ बैठक लेंगे।

सीबीएसई छात्र असंतुष्ट होने पर दे सकेंगे परीक्षा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री के फैसले के बाद सीबीएसई ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक अधिसूचना जारी की है। इसके मुताबिक कक्षा दसवीं बोर्ड की तरह कक्षा बारहवीं के लिए भी ऑब्जेक्टिव क्राइटेरिया तैयार किया जाएगा। अगर कोई विद्यार्थी आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर तैयार किए गए परिणाम से संतुष्ट नहीं है, तो उसे परीक्षा देने का एक अवसर भी दिया जाएगा। स्थिति अनुकूल होने पर सीबीएसई द्वारा सभी विद्यार्थियों को परीक्षा देने का विकल्प दिया जाएगा। विभाग में एक दूसरे के खिलाफ अब तक 10 से ज्यादा शिकायतें हो चुकी हैं। सीबीएसई बारहवीं बोर्ड परीक्षा रद्द होने के बाद अब अभिभावकों और विद्यार्थियों को परिणाम का इंतजार है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सीबीएसई के अधिकारी ने यह स्पष्ट किया है कि अभी मूल्यांकन मानदंड तैयार करने में समय लग सकता है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डेल्टा ही चिंता का विषय

राहत भरी खबर: अब कोरोना का सिर्फ एक वैरिएंट ही घातक

नई दिल्ली। भारत में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच राहत की खबर मिली है। दरअसल, भारत में मिले कोरोना वायरस के वैरिएंट के खतरे को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि डेल्टा का अब सिर्फ एक वैरिएंट ही चिंता का विषय है, जबकि बाकी दो स्ट्रेन का खतरा कम हो गया है। कोरोना के इस वेरिएंट को बी1.617 के नाम से जाना जाता है। इसकी वजह से भारत में कोरोना की दूसरी लहर में भारी तबाही देखने को मिली। यह ट्रिपल म्यूटेंट वैरिएंट है क्योंकि यह तीन प्रजातियों (लिनिएज) में है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंगलवार को कहा कि सबसे पहले भारत में मिले कोविड-19 का डेल्टा वैरिएंट का अब बस एक स्ट्रेन ही अब चिंता का विषय है, जबकि बाकी दो स्ट्रेन का खतरा कम हो गया है। कोरोना के इस वैरिएंट को बी.1.617 नाम से जाना जाता है। इसके तीन वैरिएंट बी.1.617.1, बी.1.617.2 और बी.1.617.3 हैं।

बता दें कि बीते महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना के इस वैरिएंट के पूरे स्ट्रेन को वेरिएंट ऑफ कंसर्न यानी चिंता वाला वैरिएंट बताया था। इस पर भारत सरकार ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। वहीं अब डब्ल्यूएचओ ने कहा कि इसका बस एक सब लिनिएज ही अब चिंता का विषय है। यानी बी.1.617 वेरिएंट के तीन स्ट्रेन में से बस एक स्ट्रेन चिंता का विषय है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अब बड़े स्तर पर पब्लिक हेल्थ के लिए बी.1.617.2 ही अब चिंता का सबब है, जबकि बाकी के दो स्वरूप में संक्रमण फैलाने की दर बहुत कम है। डब्ल्यूएचओ में कहा गया कि बी.1.617.2 अब भी वीओसी है और हम इससे संक्रमण फैलने की बढ़ती दर और इस स्वरूप से कई देशों में बढ़ते संक्रमण के मामलों पर नजर रख रहे हैं। इस स्वरूप के असर पर अध्ययन डब्ल्यूएचओ के लिए उच्च प्राथमिकता है।

कोरोना के वैरिएंट का किया नामकरण

डब्ल्यूएचओ ने सोमवार को कोविड-19 के अहम स्वरूपों को नाम देने के लिए नई प्रणाली की घोषणा की और ये नाम ग्रीक वर्णमाला (जैसे कि अल्फा, बीटा, गामा आदि) पर आधारित हैं, जिससे इन्हें नाम देना और याद रखना आसान हो गया है।

डब्ल्यूएचओ ने अपने बयान में कहा कि भारत में पिछले हफ्ते कोविड-19 के 13,64,668 नए मामले आए जो पिछले हफ्तों के मुकाबले 26 फीसदी कम हैं। ब्राजील में 420,981, अर्जेंटीना में 219,910, अमेरिका में 153,587 और कोलंबिया में 150,517 नए मामले आए। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में 15 लाख से अधिक नए मामले सामने आए और 29,000 से अधिक लोगों की मौत हुई जो पिछले हफ्ते के मुकाबले क्रमश- 24 फीसदी और आठ फीसदी कम हैं। बयान में कहा गया कि संक्रमण के मामलों में लगातार तीसरे हफ्ते कमी आई है और मार्च 2021 की शुरुआत के बाद से मौत के मामले पहली बार कम हुए हैं। दक्षिण एशिया क्षेत्र में सबसे अधिक मौत भारत में हुई।

सर्च इंजन पर लागू नहीं होते भारत सरकार के नए कानून

दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचा गूगल, केन्द्र को नोटिस

नई दिल्ली। सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए भारत सरकार की नई गाइडलाइन लागू हो गई है। कुछ दिनों तक हुए बवाल के बाद सभी सोशल मीडिया कंपनियों ने नए नियम को अपने प्लेटफॉर्म पर लागू कर लिया है। इसी बीच गूगल ने कहा है कि भारत सरकार के नए नियम सर्च इंजन पर लागू नहीं होते हैं। गूगल ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए कहा है कि उसके मामले को अलग से देखा जाए। गूगल ने अपनी याचिका में कहा है कि वह एक सर्च इंजन है ना कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, इसलिए उसके ऊपर नए कानून लागू नहीं होते। गूगल की इस याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी। गूगल ने दिल्ली हाई कोर्ट में एकल न्यायाधीश के इस आदेश को रद्द करने की मांग की है जिसके तहत इंटरनेट से आपत्तिजनक सामग्री को हटाने को कहा गया है। एकल न्यायाधीश की पीठ ने उस मामले की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया था, जिसमें एक महिला की तस्वीरें कुछ बदमाशों ने अश्लील (पॉर्नग्रैफिक) सामग्री दिखाने वाली एक वेबसाइट पर अपलोड कर दी थीं और उन्हें अदालत के आदेशों के बावजूद वर्ल्ड वाइड वेब से पूरी तरह हटाया नहीं जा सका था एवं इन तस्वीरों को अन्य साइट पर फिर से पोस्ट किया गया था।

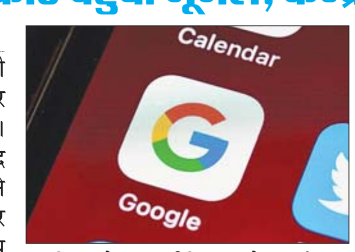

बड़ा खुलासा

एंटीगुआ के पीएम ने मेहुल को भेजी थी चिट्ठी

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले का आरोपी और भगोड़ा कारोबारी मेहुल चोकसी मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जहां एक ओर एंटीगुआ के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउने की एक चिट्ठी सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि मेहुल ने नागरिकता से संबंधित जानकारी छिपाई थी। वहीं दूसरी ओर एक क रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मेहुल चोकसी के बड़े भाई ने मामले को रफा दफा करने के लिए डोमिनिका के विपक्षी नेता को मोटी रकम दी। 14 अक्तूबर, 2019 को लिखे पत्र में ब्राउने ने लिखा था, मैं एंटीगुआ और बारबुडा नागरिकता अधिनियम, कैप 22 की धारा 8 के मुताबिक एक आदेश देने का प्रस्ताव करता हूं ताकि आपको सामग्री तथ्यों को जानबूझकर छिपाने के आधार पर एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता से वंचित किया जा सके।

कमलनाथ से आज होंगे पेनड्राइव पर सवाल

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ से आज एसआईटी पूछताछ करेगी। हनीट्रैप की पेन ड्राइव अपने पास होने वाले बयान को लेकर एसआईटी ने पिछले दिनों उन्हें नोटिस जारी किया था। मध्यप्रदेश में हनीट्रैप की जांच कर रही एसआईटी ने श्यामला हिल्स स्थित उनके आवास पर बुधवार को पूछताछ के लिए रहने को कहा था। एसआईटी दोपहर 12 बजे के बाद उनसे पूछताछ करेगी। साथ ही एसआईटी ने कमलनाथ से पेन ड्राइव की भी मांग की । हालांकि एसआईटी के नोटिस के बाद कमलनाथ ने कहा कि उनके पास हनीट्रैप की कोई पेन ड्राइव मौजूद नहीं है। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता पूर्व मंत्री उमंग सिंघार की महिला मित्र ने भोपाल में खुदकुशी कर ली थी। वो मोहाली की रहने वाली थी। बताया जा रहा था कि कुछ दिनों बाद वो उससे शादी करने के वाले थे। खुदकुशी के अगले दिन पुलिस ने उमंग सिंघार के ऊपर केस दर्ज कर लिया था। उसके बाद कमलनाथ ने उनका बचाव करते हुए कहा था कि उनके पास भी हनीट्रैप की पेन ड्राइव है। उनके कहने का मतलब था कि भाजपा नेताओं के हनीट्रैप वाला वीडियो उनके पास भी मौजूद है।

गेहूं से भरी लोडिंग पलटी, पांच की मौत

ग्वालियर। ग्वालियर झांसी हाइवे पर जौरासी के पास गेहूं से भरी लोडिंग पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई। साथ ही 5 लोग घायल हो गए हैं। लोडिंग वाहन में गेहूं के कट्टे भरे हुए थे और उस में लोग भी सवार थे। अनियंत्रित होने से लोडिंग वाहन पलट गया और हादसे का सबब बन गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और हादसे में घायल हुए लोगों को तत्काल इलाज के लिए ग्वालियर भेजा गया। मृतकों में एक ही परिवार के तीन लोग शामिल हैं। जिनमें दो बच्चे हैं।

पेंशन नियमों में बदलाव

बगैर मंजूरी कुछ लिखा तो रुकेगी पेंशन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब ऐसे रिटायर अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने का मुड बना चुकी है, देश के खुफिया व सुरक्षा संबंधित संगठनों से हैं और बगैर सरकार की अनुमति के कुछ भी सूचनाएं प्रकाशित कर देते हैं। अब खुफिया या सुरक्षा से संबंधित संगठनों से सेवानिवृत?त अधिकारी बगैर सरकार की अनुमति के कुछ भी प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। खुफिया विभाग व सैन्य संगठन से जुड़े रिटायर अधिकारी अगर कोई सामग्री प्रकाशित करना चाहते हैं तो उन्हें सबसे पहले सरकार से अनुमति लेना जरूरी है। इसके बाद ही इसके प्रकाशित होने पर कोई निर्णय लिया जाएगा। केंद्र सरकार ने हाल ही सिविल सेवकों के लिए पेंशन के नियमों में एक बड़ा बदलाव कर दिया है। नए नियमों के मुताबिक अगर इन संगठनों से जुड़ा कोई रिटायर अधिकारी बगैर अनुमति के कोई खुफिया जानकारी प्रकाशित करता है तो उसकी पेंशन रोक दी जाएगी। सरकार के इस फैसले के पीछ आंतरिक सुरक्षा का हवाला दिया गया है।

देश की सुरक्षा या सम्मान को ठेस न पहुंचे

नए नियम के मुताबिक किसी भी खुफिया या सुरक्षा से संबंधित संगठन के अधिकारियों को यदि कुछ लिखना है, तो उसमें कोई भी संवेदनशील या ऐसी जानकारी नहीं होनी चाहिए, जिससे देश की सुरक्षा या सम्मान को ठेस पहुंचे। ऐसे में अधिकारी को कुछ भी ऐसा लिखने से पहले एक अंडरटेकिंग देनी होगी कि वह सेवा में रहते हुए या सेवानिवृत्ति के बाद अपने विभाग से संबंधित कोई भी जानकारी सावर्जनिक रूप से प्रकाशित नहीं करेगा। अगर कोई रिटायर अधिकारी ऐसा काम करता है तो उसे नियम विरुद्ध माना जाएगा और पेंशन रोक दी जाएगी।

सहायक जेल अधीक्षक की गुहार

मरने के पहले मिल जाएं पैसे तो बच्चे अनाथ होने से बच जाएंगे

लुधियाना । केंद्रीय जेल लुधियाना में बतौर सहायक अधीक्षक तैनात हरजिंदर सिंह के कोरोना संक्रमण के चलते दोनों फेफड़े खराब हो चुके हैं। उन्हें फेफड़े ट्रांसप्लांट करवाना होगा। इस पर लगभग 80 लाख रुपये खर्च होंगे। पीड़ित हरजिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री के नाम पर एक पत्र भेजा, इसमें उन्होंने कहा कि जो पैसा परिवार को मेरे मरने के बाद मिलेगा, अगर वहीं पैसा इस समय मिल जाए तो उसके बच्चे अनाथ होने से बच सकते हैं। इस जंग में हरजिंदर सिंह का साथ देने गई पूर्व पुलिस अधिकारी भी उतर आए हैं।

कोतवाल मनाते रहे जन्मदिन इनामी डकैत हो गया फरार

सतना। जिले के बरौंधा थाना में एक आरक्षक का जन्मदिन मनाने में थाना प्रभारी इतने मशगूल हो गए कि थाने में पुलिस गिरफ्त से 20 हजार के इनामी डकैत अर्जुन सिंह परिहार का साथी अजय पाल भाग गया। यह घटना मंगलवार देर शाम की बताई जा रही है। इसके बाद से ही पुलिस बल जंगलों की खाक छान रहा है। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के अनुसार बीते लगभग एक साल से एमपी और यूपी की सीमा में सक्रिय डकैत के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान मिले सुरागों के आधार पर बांदा जिले के बदौसा थाना अंतर्गत टेरा - महुटा निवासी अजय पाल समेत दो लोगों को 30 मई की शाम सीमावर्ती जंगलों से पकड़ा गया था। इन्हें थाने लाकर अन्य के बारे में बताया जा रहा है कि गिरफ्त में आए आरोपित पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान मंगलवार शाम को जब थाना प्रभारी व अन्य पुलिस स्टाफ आरक्षक का जन्मदिन मना रहे थे वे अन्य कामों में व्यस्त थे तभी आरोपित अजय पाल थाने से फरार हो गया। आरक्षक के जन्मदिन मनाने की तस्वीर भी इंटरनेट मीडिया में वायरल हो रही है।डकैत गिरोह के साथी के गायब होने की सूचना पता चलते ही फौरन सर्चिंग शुरू की गई। मगर देर रात तक उसका कुछ पता नहीं चला।

सिलेंडर फटा, 3 बच्चों सहित 8 की मौत

लखनऊ। मंगलवार रात उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में एक भयावह घटना घटित हुई। हादसा इतना बड़ा था कि इसकी आवाज से पूरा वजीर गंज इलाका कांप उठा। दरअसल यूपी के गोंडा जिले में टिकरी गांव के एक घर में गैस सिलेंडर फटने से बड़ा होदसा हो गया जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना बड़ा था कि विस्फोट की धमक पूरे इलाके में गूंज उठी। इस हादसे में 14 लोगों को बचाया गया है और 7 घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यूपी के गोंडा में हादसा

खबर है कि मंगलवार रात उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में वजीर गंज इलाके के टिकरी गांव के एक घर में सिलेंडर के फटने से बड़ा विस्फोट हुआ जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई एवं 7 लोगो को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद जिले के प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि मौके पर बचाव कार्य जारी है एवं सम्पूर्ण मामले की जांच की जा रही हैं। पुलिस को आशंका है कि विस्फोट के दौरान मलबे में और लोग भी हो सकते हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गांव के जिस घर में यह विस्फोट हुआ है उसके मालिक के पास पटाखा बनाने का लाइसेंस भी था। घटना की जानकारी जैसे ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचे तो उन्होंने भी गैस सिलेंडर में विस्फोट की दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया।

फिर बढ़े कोरोना मरीज, मौत भी ज्यादा

भारत में कोरोना के कुल मामले 2.83 करोड़ के पार

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की दूसरी लहर ने जमकर तबाही मचाई है। हालांकि, अब भारत में कोरोना की दूसरी लह थम चुकी है और रोजाना 1.5 लाख से कम नए मामले सामने आ रहे हैं। ऐक्टिव केसों की संख्या 18 लाख से कम है, लेकिन मरीजों की मौतों का आंकड़ा फिर 3 हजार के पार जा चुका है। इसके बाद कोरोना की तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है। इस महामारी के चलते सीबीएसई की 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। राज्यों ने भी केन्द्र के इस निर्णय का स्वागत किया। राज्यों का कहना था कि विद्यार्थियों और अध्यापकों की सुरक्षा के लिए इसकी जरूरत थी। श्रमिकों और अनौपचारिक क्षेत्र के प्रवासी मजदूरों पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने विभिन्न मंत्रालयों एवं राज्यों को और परामर्श जारी किए हैं। भारत में अब तक कोरोना के कुल 2,83,07,832 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 2,61,79,085 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि जिनमें 17,93,645 मरीज अभी भी कोरोना से लड़ रहे हैं। वहीं, 3,35,102 लोगों की कोरोना मौत हो चुकी है। भारत में एक बार फिर कोरोना के नए मामलों में तेजी आई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 1,32,788 नए केस आए हैं और 3207 लोगों की मौत हुई है। इस दौरान 2,31,456 लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि जुलाई या अगस्त की शुरुआत तक कोविड-19 के पर्याप्त टीके उपलब्ध होंगे। इसके बाद रोजाना एक करोड़ लोगों को टीका लगाया जा सकेगा। टीके की कमी नहीं है, लेकिन देश की बड़ी आबादी को देखते हुए धैर्य बनाए रखने की जरूरत है। केन्द्र सरकार ने यह भी कहा कि कोरोना की दूसरी लहर का कहर कम हुआ है। जांच बढ़ाकर और जिला स्तर पर निरूद्ध क्षेत्र बनाकर कोरोना के नए मामलों में और कमी लाई जा सकती है।

बस आपरेटरों को पूरा अनलॉक का है इंतजार

नही मिल रहे यात्री, 5 प्रतिशत बसें ही चल रहीं

जबलपुर,यशभारत। अनलॉक के पहले दिन मंगलवार को शहर से चलने के लिए कुछ बसें तो तैयार थी लेकिन यात्री नहीं थे। आईएसबीटी बस स्टैंड पर सन्नाटा पसरा था। दोपहर में चार बसें स्टैंड पर खड़ी थीं लेकिन यात्री नहीं थे। चालक-परिचालक यात्रियों का इंतजार करते रहे। दमोह, सागर, डिंडोरी, सिवनी मंडला कटनी की ओर इक्का-दुक्का बसें ही चल रहीं हैं । आवाज लगाने पर भी यात्री नहीं मिल रहे थे।

आईएसबीटी बस आपरेटर्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नसीम बेग का मानना है कि स्थिति सामान्य होने में काफी वक्त लगेगा। अभी लोगों में कोरोना का भय है। जैसे-जैसे स्थिति सामान्य होने लगेगी और यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ ही बसों की संख्या भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि 15 जून के बाद जब स्थिति सामान्य होगी जब ही यात्री मिलेंग। अभी तो मात्र पांच प्रतिशत बसें ही चल रहीं हैं ।अनलॉक के पहले दिन बस स्टैंड के बाहर की दुकानों में पर भी रौनक नहीं थी। व्यापारी दुकानों की साफ-सफाई व जमावट करने में व्यस्त दिखाई दिए। इधर आरटीओ सूत्रों ने बताया कि कार्यालय में परमिट के लिए कुछ आवेदन आए हैं जिन्हें अपलोड कर दिया है। जैसे-जैसे आवेदन आते जाएंगे वैसे-वैसे परमिट जारी किए जाएंगे।

कोरोना ने सफर करने का ट्रेंड बदला

- बस की बनिस्बत अब निजी वाहनों से सफर ज्यादा करने लगे हैं लोग।
- जिनके पास कार या चार पहिया नहीं हैं वे दोपहिया से ही सफर कर रहे हैं।
- कई लोग तो बनते कोशिश सफर को टाल रहे हैं, बहुत ज्यादा जरूरी होने पर ही जाने को तैयार होते हैं।
- परिवारों में यह ट्रेंड भी चला है कि महिला, बच्चों व बुजुर्गों को सफर नहीं करने दिया जाए। अन्य शहरों में काम हो तो घर के युवा ही निकल रहे हैं।

मप्र में यात्री बसों के आने-जाने पर लगी रोक

कोरोना संक्रमण की रोकथाम और उसके ट्रांसमिशन को रोकने के लिए प्रदेश सरकार ने इंटरस्टेट बसों के संचालन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। इस आदेश के बाद अब 7 जून तक चार राज्यों की सीमा से मध्यप्रदेश में कोई भी यात्री बस न तो यहां से जा सकेगी और न ही प्रवेश कर सकेंगी। इससे पहले इन पर 31 मई तक रोक थी। इसके लिए विभाग ने नए आदेश जारी कर दिए। इसमें कहा गया है, अब 7 जून तक उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़और महाराष्ट्र के लिए बस सेवाएं पूरी तरह बंद रहेंगी। न तो इन राज्यों से कोई बस मध्यप्रदेश में प्रवेश कर सकेगी और न ही यहां से कोई बस जाएगी। नए आदेश के बाद अब इन राज्यों को आने-जाने वालों को बस चलने का और इंतजार करना होगा। ऐसा भी माना जा रहा है कि यदि केस कंट्रोल नहीं हुए तो इस आदेश को आगे बढ़ाया जा सकता है, हालांकि केस कम होने की दशा में बसों को परमिशन दी जा सकेगी।

बच्चों के सवाल ? किस आधार पर होगा अस्सिमेंट

जबलपुर। कोरोना के चलते केंद्र सरकार ने इस साल सीबीएसई 12वीं की परीक्षा भी रद्द कर दी है। परीक्षा निरस्त करने की शहर में मिली जुली प्रतिकिया देखने को मिली है। इससे पहले दसवीं की परीक्षा भी रद्द किए गए थे। अब बारहवीं की परीक्षा रद्द होने फैसले को लेकर शिक्षाविदों का मानना है कि परीक्षा करियर के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए इसे रद्द नहीं करना चाहिए था, वहीं सीबीएसई बारहवीं के विद्यार्थियों का कहना है कि परीक्षा कैंसिल होना सही फैसला है, लेकिन ऑनलाइन परीक्षा लेकर रिजल्ट तैयार होना चाहिए। यह सवाल भी उठने लगा है कि आखिर बच्चों के भविष्य का क्या होगा। इस बारे में शिक्षक और एक्सपर्ट का कहना है कि ज्यादा असर बच्चों के भविष्य पर नहीं पड़ेगा, क्योंकि 12वीं के परीक्षा परिणाम के बाद किसी भी प्रमुख प्रोफेशन को चुनने के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जाम देना जरूरी होता है। हां उन बच्चों को मायूसी हो सकती है, जो 12वीं की मार्कशीट के आधार पर किसी कॉलेज में एडमिशन लेना चाहते हैं। क्योंकि बच्चों का अस्सिमेंट उनके पिछले साल के रिजल्ट को देखते हुए ही लिया जाएगा। हालांकि ऐसे में बच्चों का फोकस अब आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं पर होना चाहिए ।जिसमें आईआईटी, जेईई मेंस समेत अन्य परीक्षाएं हैं। बच्चों के

सीबीएसई 12वीं की परीक्षा भी रद्द

पास अभी जून और जुलाई का महीना का समय है। ऐसे में वे इसके लिए अच्छे से तैयारी कर सकते हैं।पालकों ने जहां किसी दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था से बच्चों का आंकलन करने की मांग की है। वहीं छात्रों का कहना है कि इससे उन्हें दूसरी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने में समय मिल जाएगा। कोरोना संक्रमण को देखते हुए रद्द करने का जो फैसला है वह स्वागत योग्य है, क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। लेकिन हमें एक वैकल्पिक व्यवस्था जिससे बच्चों का आंकलन हो सके और उनका 12वीं के बाद कॉलेजों में और विदेश विश्वविद्यालयों में समस्या ना है इसे भी ध्यान में रखना होगा। उम्मीद है कि सरकार जल्द ही इसकी घोषणा कर देगी। एक निजी स्कूल की छात्रा इशिता गुप्ता सरकार के इस फैसले से खुश नहीं है। उनका कहना है कि मेरी तैयारी पूरी है। मैं 12वीं पास करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए विदेश बाहर जाने की योजना थी। अब यह कैसे होगा। वहां पर एडमिशन की प्रक्रिया बिना 12वीं के परिणामों के कैसे पूरी होगी। एक अन्य छात्रा सादगी वैद्य का कहना है कि भले ही परीक्षा नहीं होगी, लेकिन अभी तक यह भी साफ नहीं है कि हमें अंक सूची या सर्टिफिकेट मिलेगा या नहीं। ऐसे में आगे का भविष्य क्या होगा। 12वीं के साथ आइ आइटी की तैयारी कर रहे करण का

कहना है कि यह अच्छा हुआ है। मैं अब अपना ज्यादा ध्यान आइआइटी की तरफ लगा सकूंगा। यह काफी राहत भरा फैसला है। एक अन्य छात्र कहा कि ने संक्रमण के कारण काफी डर है। हम लोग घरों में ही रहेंगे, लेकिन आगे विवि में एडमिशन कैसे होगा इसे लेकर थोडा संशय है।

20 और 80 का फॉर्मूला

सीबीएसई द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार 10वीं के छात्रों को हर विषय के लिए ज्यादा से ज्यादा 100 अंकों का मूल्यांकन किया जाएगा। इसमें 20 अंक इंटर्नल असेसमेंट मौजूदा पॉलिसी के आधार पर होगा जबकि बाकी बचे 80 नंबर नए तरीके से तैयार की गई पॉलिसी के आधार पर मिलेंगे।

कालेजों को 15 तक करना होगा प्रोफाइल अपडेट

जुलाई में शुरू हो सकते हैं प्रवेश

जबलपुर। उच्च शिक्षा विभाग ने ई-प्रवेश की कवायद शुरू कर दी है। कालेजों को 15 जून तक पोर्टल पर अपना प्रोफाइल अपडेट करना होगा। 25 जून तक इनके प्रोफाइल का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद जुलाई में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। इस बार प्रवेश प्रक्रिया काफी लेट होने के आसार हैं, क्योंकि 12वीं की परीक्षाएं नहीं हुई हैं। कोरोना संक्रमण के चलते पिछले साल भी शिक्षण सत्र पिछड़ गया था। मई के अंत में प्रवेश प्रारंभ होकर जून में खत्म हो जाते थे। जुलाई में शिक्षण सत्र प्रारंभ हो जाता था, लेकिन पिछले साल अक्टूबर तक प्रवेश प्रक्रिया चली थी। इस बार भी वैसी ही स्थिति बनी है। अभी तक 12 वीं की परीक्षाएं नहीं हुई हैं। स्नातक तृतीय वर्ष की परीक्षाएं ओपन बुक प्रणाली से तीन जून से प्रारंभ होंगी। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश 12 वीं के रिजल्ट के आधार पर शुरू होते हैं। इस बार भी प्रवेश प्रक्रिया अक्टूबर तक चल सकती है। नए शिक्षण सत्र को ध्यान में रखते हुए कालेजों के प्रोफाइल अपडेट कराए जा रहे हैं। ई-प्रवेश पोर्टल पर प्राचार्य का नंबर, बैंक अकाउंट, स्थान अपडेट कर सकते हैं। साथ ही कोर्स व डिप्लोमा की जानकारी अपडेट कर सकते हैं। यह अपडेट होने के बाद विश्वविद्यालय को इसका सत्यापन 25 जून तक करना होगा। यह कार्य पूरा होने के बाद जुलाई में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होने के आसार हैं।

केंट विधायक व निगमायुक्त ने किया बिलहरी में जल प्लावन वाले क्षेत्रों का दौरा

जबलपुर। कैंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री अशोक ईश्वरदास रोहाणी के द्वारा नगर निगम आयुक्त श्री संदीप जी आर के साथ बिलहरी के उन क्षेत्रों का दौरा किया गया जहां पिछले वर्ष जल प्लावन की स्थिति निर्मित हुई थी। विधायक श्री रोहाणी को आयुक्त ने जल्दी ही सफाई कराए जाने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि खंदारी नाले से लगी हुई कॉलोनी मां नर्मदे नगर कृष्णा होम मॉडल टाउन पिंक सिटी विनायक नगर एपीआर वन कॉलोनी मंगलेश्वरी इत्यादि कॉलोनी पिछले वर्ष जल प्लावन होने से प्रभावित हुई थी। कैंट क्षेत्र के विधायक अशोक रोहाणी और निगमायुक्त संदीप जी आर के बीच क्षेत्र में कहीं भी जल प्लावन न होने को लेकर चर्चा हुई एवं इस संबंध में क्षेत्र के नाले नालियों की व्यापक सफाई के साथ ही जल निकासी के लिए अतिरिक्त काम कराए जाने पर सहमति बनी। निगमायुक्त संदीप जीआर ने आश्वस्त किया है कि इस वर्ष बारिश के मौसम में शहर के अन्य क्षेत्रों की तरह कैंट क्षेत्र में भी कहीं भी जलप्लावन की स्थिति निर्मित नहीं होगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा व्यापक पैमाने पर बड़े नाले नालियों की सफाई कराई जा रही है एवं जल निकासी में अवरोध बने निर्माणों को भी सख्ती के साथ हटाया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद रिंकू विज, कार्यपालन यंत्री श्री डी के चौबे स्वास्थ्य अधिकारी भूपेंद्र सिंह, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल जैन, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक पोला राव एवं संजय ठाकुर, पुष्पा तिवारी एवं कॉलोनी के रहवासी उपस्थित थे।

अधिकारियों के साथ नाले की सफाई कार्य का लिया जायजा

डॉक्टर दीपक बहरानी का सम्मान

जबलपुर। अखिल भारतीय हिन्दी पत्रकार संघ मध्यप्रदेश जबलपुर ईकाई द्वारा फ्रेंड वॉरियर्स लाइन मे आने वाले डॉंक्टर जिसके क्रम मे शहर के जाने-माने डॉक्टर दीपक बहरानी का सम्मान पत्र देकर उन्हें सम्मान किया गया । इस उपलक्ष्य में संभाग अध्यक्ष संदेश कुमार त्रिपाठी (महाराज),संभाग उपाध्यक्ष मनोज मतानी,जिला उपाध्यक्ष श्याम ढींगरा,जिला सचिव आनंद परिहार जी उपस्थित रहे।

प्रति बोरी डीएपी खाद का मूल्य 1200 रूपये निर्धारित

जबलपुर। प्रदेश में खरीफ सीजन 2021 के न्यूट्रीयेन्ट बेस्ड सब्सिडी (एनबीएस) के अंतर्गत डीएपी में सब्सिडी पुन॰ निर्धारित कर प्रति बोरी कीमत 1200 रूपये निर्धारित की गई है। प्रबंध संचालक श्री नरहरि ने बताया कि प्रदेश में पूर्व में प्राप्त खाद की जिन बोरियों पर एमआरपी 1900 रूपये एवं 1700 रूपये अंकित है, भारत शासन के आदेशानुसार कृषकों को 1200 रूपये प्रति बोरी की दर से विक्रय की जायेगी।

वेतन वृद्धि और मंहगाई भत्तों पर पड़ा अकाल

जबलपुर । मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के प्रांताध्यक्ष उदित भदौरिया एवं जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि एक तरफजहां कर्मचारी अपनी वार्षिक वेतन वृद्धि और मंहगाई भत्तों के भुगतान को लेकर शासन-प्रशासन से लगभग दो वर्षों से गुहार लगा रहे हैं और शासन-प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा बल्कि यूं कहे कि प्रदेष में वेतन वृद्धि और मंहगाई भत्ते के नाम पर कर्मचारी जगत में जैसे अकाल सा पड़ गया है वहीं दूसरी और इस कोरोना महामारी के भीषण दौर में भी विधायकों व पूर्व विधायकों के वेतन-भत्तों के

पुननिर्धारण करने हेतु विधान सभा अध्यक्ष के द्वारा एक समिति बना दी गई है और ये समिति अपनी अनुशंसा वेतन भत्ते बढ़ाने हेतु विधान सभा अध्यक्ष को देगी और संभवतः यह अनुशसा मान ली जाएगी और विधायकों के वेतन भत्ते बड़ा दिये जांएगे वहीं कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि देने के नाम पर सरकार द्वारा काल्पनिक वेतन वृद्धि का नाम देकर पल्ला झाड़ लिया जाता है और साथ ही मंहगाई भत्ते को भी रोक कर रखा गया है और मांग करने पर कोरोना से आई आर्थिक तंगी का हवाला दिया जाता है। दूसरी तरफ2005 के बाद के कर्मचारियों को पूंर्ण पेंशन तक का लाभ नहीं दिया जा रहा। संविदा कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन पर कार्य करना पड़ रहा है वहीं अतिथि षिक्षकों को प्रतिदिन के मानदेय पर कार्य करना पड़ता है कोरोना काल में अतिथि शिक्षकों की भी रोजी रोटी छिन गई है ऐसी बहुत सी समस्याएं कर्मचारियों की है जिनका निराकरण नहीं किया जा रहा है। जहां एक तरफकोरोना योद्धा के रूप में कार्यरत कर्मचारी शहीद हो गये और आज दिनांक तक उन्हे उनके पूंर्ण स्वात्वों का भुगतान कर आश्रितों को नहीं मिल पाया। प्रदेश के लाखों कर्मचारी काल्पनिक वेतन वृद्धि के नाम पर सिर्फवार्षिक वेतन वृद्धि और मंहगाई भत्ते मिलने की आस में कल्पना करने को मजबूर हैं। जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है।

31 मई के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा

जबलपुर। प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति फैज अहमद किदवई ने बताया कि अस्थाई पात्रता पर्ची के लिए 31 मई 2021 तक प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही की तिथि 5 जून तक बढ़ा दी गई है। इस अवधि में नए आवेदन प्राप्त नहीं किए जाएंगे। निर्धारित अवधि 31 मई तक प्राप्त आवेदनों में से एक लाख 17 हजार 418 परिवारों से प्राप्त आवेदनों को ही पोर्टल पर चढ़ाने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि सर्वाधिक 18 हजार 829 आवेदन ग्वालियर के हैं, जबकि दतिया, बुरहानपुर एवं आगर-मालवा में कोई आवेदन पेंडिंग की श्रेणी में नहीं है। प्रमुख सचिव श्री किदवई ने बताया कि इस संबंध में शासन द्वारा कार्यादेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा कोरोना संक्रमण के दौरान गरीबों को माह का नि:शुल्क राशन वितरित किया जा रहा है। इनमें ऐसे हितग्राही जिनके पास पात्रता पर्ची नहीं होने के कारण वे नि:शुल्क राशन प्राप्त नहीं कर पा रहे थे,।

स्टेट बार काउंसिल के उपाध्यक्ष आरके सिंह सैनी तथा कार्यकारिणी समिति सदस्य अहादुल्ला उस्मानी।

प्रकरणों में नहीं पेश हो रही केस डायरी

जबलपुर,यशभारत। स्टेट बार काउंसिल के उपाध्यक्ष आरके सिंह सैनी तथा कार्यकारिणी समिति सदस्य अहादुल्ला उस्मानी ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस माननीय मोहम्मद रफीक तथा महाधिवक्ता पुरुषेंद्र कौरव को एक पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने बताया कि न्यायालय में जारी वर्चुअल सुनवाई के दौरान इस प्रकरणों की सुनवाई हो रही है। उसमें शासन द्वारा केस डायरी प्रस्तुत नहीं की जा रही है, जिसके चलते प्रकरणों में अनावश्यक विलंब हो रहा है। जिस कारण अधिवक्ता और पक्षकारों को त्वरित न्याय नहीं मिल पाता। अत: स्टेट बार काउंसिल के द्वारा चीफ जस्टिस और महाधिवक्ता से मांग की है कि यह शासन को निर्देशित करें कि प्रकरण की सुनवाई के पूर्व ही केस डायरी को प्रकरण में अटैच करवा दिया जाए ताकि अधिवक्ता और पक्षकारों को राहत मिल सके।

स्टेट बार काउंसिल ने लिखा मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और महाधिवक्ता को पत्र

बीएड के विद्यार्थियों को नहीं दें 80 फीसदी से अधिक अंक

जबलपुर। प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान द्वारा सोमवार को बीएड द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को दिए जाने वाले सीसीई अंक के संबंध में अजीबो-गरीब आदेश जारी किया। संस्थान संचालक एवं प्राचार्य डॉ रामकुमार स्वर्णकार द्वारा शिक्षकों को जारी इस आदेश में दूसरे और चौथे सेमेस्टर के किसी भी विद्यार्थियों को 80 फीसदी से अधिक अंक नहीं देने की बात कही गई। इतना ही नहीं रानीदुर्गावती विवि में 29 मई को हुई परीक्षा बैठक में कुलसचिव का हवाला दिया गया। आदेश में कुलसचिव द्वारा दिए

गए निर्देशों के आधार पर आदेश जारी करने की बात कही गई है। इस मामले की सूचना जैसे ही विवि के अधिकारियों के पास पहुंची तो वह एक-दूसरे पर पल्ला झ?ते हुए नजर आए। जारी आदेश में प्राचार्य द्वारा सभी आचार्यों को आदेश दिया गया कि समस्त आचार्य अपने-अपने विषयों की आंतरिक मूल्यांकन अंक सूची की हार्डकॉपी कार्यालय के सहायक ग्रेड-3 से प्राप्त करें और अंक भरने के बाद उसे 5 जून तक बंद लिफाफे में कार्यालय में जमा करें ।जारी आदेश के अनुसार किसी भी विद्यार्थी को 80 फीसदी से अधिक अंक नहीं दिया जाए। वहीं क्रमश॰ तीन बिंदुओं में बताया गया है कि 10 फीसदी विद्यार्थियों को 70-80, 40 फीसदी को 60-70 व शेष 50 फीसदी को 55-60 फीसदी अंक दिए जाए ।हमारी तरफ से ऐसा कोई निर्देश व पत्र नहीं भेजा गया है। छात्रों द्वारा प्रश्न के उत्तर के आधार पर ही उन्हें अंक दिया जाएगा।

आपके माध्यम से हमें जानकारी मिली है। विवि की कमेटी द्वारा बुधवार को इस पर चर्चा की जाएगी।

कपिल देव मिश्रा, कुलपति, रादुवविवि

खेती की बढ़ती लागत चिंताजनक

जबलपुर। खेती परंपरागत तरीकों की जगह भले ही आधुनिक हो गई, मगर किसानों के लिए लाभकारी नहीं हो पाई। हालांकि सरकार किसानों को कुछ यूनिट बिजली निश्शुल्क देने के अलावा बीज और खाद पर सब्सिडी देकर राहत देती है। इसके बावजूद डीजल की बढ़ती कीमत, ट्रैक्टर से जोताई व थ्रेसर से मिसाई की बड़ी लागत और श्रमिकों का बढ़ता मेहनताना फसल की लागत मूल्य को बढ़ा दे रहा है। इसके मुकाबले दाम नहीं मिल रहा है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार नहीं हो पा रहा है। नतीजा यह है कि आज भी अधिकतर किसान कर्ज में जन्म लेता है और कर्ज में ही मर जाता है। दूसरी ओर

लागत बढ़ने की बात कहकर इसका लाभ आढ़ती और बिचौलिए उठा रहे हैं और लोगों को महंगा अनाज मिल रहा है। परंपरागत खेती लगभग खत्म हो गई है। पहले हल के जरिए खेतों की जोताई की जाती थी। वहीं धान की मिसाई के लिए बेलन का उपयोग किया जाता था। समय के साथ कृषि कार्य के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आ गया है। परंपरागत खेती के बजाय आधुनिक खेती की ओर किसानों का रुझान तेजी से बढ़ है। यही कारण है कि उन्नतशील कृषकों के तर्ज पर लघु और मध्यम किसान भी कृषि यंत्रों के जरिए खेती करने लगे हैं।

आधुनिक यंत्रों पर इनकी निर्भरता भी तेजी के साथ बढ़ी है। डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण आधुनिक कृषि यंत्रों के जरिए खेती करना किसानों को अब महंगा पड़ने लगा है। जबलपुर में डीजल की कीमत प्रति लीटर 93.99 रुपये पहुंचने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। रबी मौसम में उत्पादित धान की कटाई में इस महंगाई का सामना करना पड़ रहा है।

फसल ऋण वसूली की तारीख फिर बढ़ी, अब 30 जून तक किसानों को राहत

जबलपुर। शिवराज सरकार ने एक बार फिर किसानों को बड़ी राहत दी है। कृषि मंत्री कमल पटेल ने बताया कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए फसल ऋण वसूली को 30 जून तक आगे स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले दो बार फसल ऋण वसूली की तारीख को आगे बढ़ाया गया है। पहले 31 मार्च इसकी मियाद थी, जिसे आगे बढ़ाकर 30 अप्रैल किया गया था। इसके बाद इसे 31 मई किया गया और अब 30 जून तक किया गया है। इस निर्णय से मध्यप्रदेश के किसानों को राहत मिलेगी। मंत्री पटेल ने किसानों की तरफ से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। दरअसल, किसानों को उपज की राशि अप्रैल-मई माह में प्राप्त होती है। लेकिन, अप्रैल और मई में कोरोना कर्फ्यू रहने से किसान फसलें नहीं बेच सकें। अब एक माह की अवधि बढ़ने से किसानों की मुश्किल कम होगी और वे फसल ऋण की राशि को जमा कर सकेंगे।

गुरुओं की सुरक्षा के लिए भी बनाया सुरक्षा कवच

जबलपुर। भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद लार्डगंज शाखा की सचिव पूजा विद्यार्थी एवं उनके परिवार के सदस्यों ने कोरोना महामारी में जब देखा की मुनि महाराज जी व माता जी को भी कोरोना हो रहा है तो आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री 108 प्रबुद्ध सागर महाराज की प्रेरणा से आराध्य गुरुओं के लिए सुरक्षा कवच बनाने का निर्णय लिया इसमें विद्यार्थी परिवार को काफी सफलता प्राप्त हुई । विद्यार्थी परिवार ने अभी तक *निशुल्क* 200 सुरक्षा कवच भारत के सभी जगहों पर भेज कर पुण्य का संचय किया लार्डगंज शाखा के समस्त पदाधिकारी गण एवं सदस्य गण विद्यार्थी परिवार के पुण्य की अनुमोदना करते हैं।

पूरी क्षमता से बुलाओ मगर वेक्सीनेशन सबका कराओ

आयुध निर्माणियों के प्रबंधन की क्षमता पर सुलगते सवाल

जबलपुर यशभारत। बेशक देश की सेनाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनका निर्वाध रूप से संचालन जरूरी है ।उसके लिए यू पी एस सी चयनित अधिकारियों को तैनात किया गया है ।उन्हें प्रशिक्षण के दौरान औद्योगिक संरक्षा(इंडस्ट्रियल सेफ्टी)का पहला पाठ यही पढ़ाया जाता है कि शून्य त्रुटि दुर्घटना के लिए कर्मचारियों और संस्थान को कैसे सुरक्षित रखना है ।लेकिन अधिकारी शायद सेवा में आने के बाद या तो उसे भूल जाते हैं या फिर अपनी साहिब गिरी मे उसे ताक रख देते हैं

।सभी जानते हैं कि वर्तमान में देश वैश्विक संक्रमित कोरोना बीमारी से जूझ रहा है ।इसके लिए गृह मंत्रालय समय समय पर औद्योगिक इकाइयों को चलाने के लिए एस ओ पी जारी कर रहा है ।स्थानीय जिला प्रशासन भी समय समय पर आदेश जारी कर रहा है ।लेकिन आयुध फैक्ट्रियों के अधिकारियों को न गृह मंत्रालय के एस ओ पी और न जिला प्रशासन के आदेश समझ में आ रहे हैं ।इसका उदाहरण है शहर की दो आयुध फैक्ट्री पचास प्रतिशत तो दो आयुध फैक्ट्री में सौ फीसदी क्षमता के साथ कर्मचारियों को उपस्थिति के आदेश जारी कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि औद्योगिक इकाइयों मे कार्य संस्कृति अलग होती है वहां किसी काम को अकेले नहीं बल्कि कई कर्मचारी मिल कर करते हैं ।ऐसे कई काम हैं जिसमें दो गज की दूरी संभव ही नहीं हैऐसे में कर्मचारियों की सुरक्षा पहले ध्यान में रखना होगा ।वर्तमान में ऐसे कर्मचारियों की संख्या अधिक है जो18से44वर्ष के हैं ।लिहाजा ऐसे कर्मचारियों का सबसे पहले वेक्सीनेशन कर सुरक्षा कवच दिया जाना महत्वपूर्ण विकल्प है ।लेकिन फैक्ट्रियों के सर्वाधिक कर्मचारी इससे वंचित हैं ।इस संबंध में व्हीकल फैक्ट्री मजदूर यूनियन के महासचिव नितिन चाकर और वर्कर्स यूनियन के महासचिव नितेश सिंह ने महाप्रबंधक और जिला प्रशासन को भी पत्र लिखा है कि उक्त कर्मचारियों को फ्रंट लाइन वर्कर मानकर टीकाकरण करना चाहिए ।जैसे पुलिस अस्पताल के स्टाफ को किया गया है।श्री चाकर ने व्हीकल प्रबंधन को इससे भी अवगत कराया कि हेवी व्हीकल फैक्ट्री अवाडी के महाप्रबंधक ने वहां के जिला प्रशासन से चर्चा कर सभी कर्मचारियों का शत प्रतिशत वेक्सीनेशन करवा दिया है ।फिर क्या कारण है कि शहर के आयुध फैक्ट्रियों के महाप्रबंधक जिला प्रशासन के संज्ञान में यह बात लाकर सभी कर्मचारियों का वेक्सिनेशन सुनिश्चित नहीं करा रहे है।

जानकारी के अनुसार निर्माणी प्रबधनों की इसी लापरवाही का परिणाम है कि आधा सैकड़ा से ज्यादा कर्मचारी और उनके परिजनों की मौत हो गई है ।काम के दौरान संक्रमित कर्मचारी अभी भी इलाज रत हैं ।नेताओं का कहना है कि काम के दौरान दो गज की दूरी कतई संभव नहीं है ।यू भी फैक्ट्रियों मे न तो सेनेटाइजर मिलता है और न ही थर्मल स्केनिंग की व्यवस्था है ।लिहाजा फैक्ट्री कर्मचारियों के लिए टीकाकरण एकमात्र विकल्प है जिससे वे खुद और अपने परिवार को कोरोना संक्रमण से कुछ हद तक सुरक्षित रख सकते हैं। नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि निर्माणियों का प्रबंधन शत प्रतिशत टीकाकरण नहीं करवाता है तो इसकी जानकारी अपने महासंघ के पदाधिकारियों को देकर प्रबधनों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्यवाही की मांग करेगा।

सालीबाड़ा में तीन दोस्तों के साथ नदी किनारे पहुंचा था शराब पीने

युवक का शव मिला हत्या की आशंका

जबलपुर,यशभारत। बरगी थाना अंतर्गत सालीबाड़ा में दोस्तों के साथ दारु पार्टी करने पहुंचे एक युवक का शव नर्मदा नदी किनारे मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। आनन-फानन में पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर, मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। इधर इस मामले में प्रारंभिक जांच के बाद हत्या की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। बरगी थाना प्रभारी शिवराज ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि घसीटा बर्मन, ठुल्लू बर्मन और रामचंद्र बर्मन के साथ मृतक पंजी उर्फ अजीत बर्मन उम्र 45 वर्ष निवासी सालीबाड़ा , नदी किनारे दारू की पार्टी करने पहुंचे थे। देर रात चारों दोस्तों ने जमकर मछली और शराब का लुत्फ उठाया। पुलिस ने बताया कि तीनों दोस्तो तो अपने घर रवाना हो गए लेकिन पंजी उर्फ अजीत बर्मन जब अपने घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने पंजी के दोस्तों और अपने रिश्तेदारों के यहां पूछताछ की। लेकिन जब थकहार कर उसकी कोई सूचना नहीं मिली तो परिजन थाने पहुंचे। जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस को नर्मदा नदी के किनारे पंजी की लाश मिलने की सूचना मिली। क्षेत्र में लाश मिलने की सूचना आग की तरह फैली और घटना स्थल पर लोगों का भारी जमाव?ा लग गया। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिती को सम्हालते हुए लाश कब्जे में लेकर, मर्ग कायम किया। इस दौरान जब शिनाख्तगी के लिए परिजनों को बुलावा भेजा तो अपने लाड़ले की लाश देकर परिजनों ने आपा खो दिया ।जिसके बाद क्षेत्रीय लोगों और पुलिस ने किसी तरह परिजनों को सम्हाला। बरगी सीएसपी रवि चौहान ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का नहीं बनता। क्योंकि अभी तक हुई जांच के दौरान शव पर किसी भी प्रकार के निशान नहीं मिले है। अब पीएम के बाद ही स्थिती साफ हो सकती है। फिलहाल मृतक के दोस्तों से पूछताछ की जा रही है।

जूडॉ हड़ताल का आज तीसरा दिन

पुलिस भेजकर गिरफ्तार करने की धमकी पर हम नहीं हटेंगे : डॉ पंकज सिंह

जबलपुर यशभारत। अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर लंबे समय से मांग कर रहे जूनियर डॉक्टर्स की हड़ताल आज तीसरे दिन भी लगातार जारी है। जूडॉ ने इमरजेंसी और रूटीन ओपीडी के बाद अब न कोविड वार्ड में ड्यूटी कर रहे हैं न ही म्यूकर ओटी में भी ऑपरेशन । नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में 450 जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल से मरीजों को मिलने वाले इलाज की व्यवस्था पूरी तरह से अस्त-व्यस्त रही। हड़ताल का सबसे ज्यादा असर कोविड स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ा है। मंगलवार को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन पल्मोनरी मेडिसिन भवन के कोविड वार्ड में भर्ती कोरोना मरीजों को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शिफ्ट कराया गया। कुछ मरीजों को मंगलवार को सुपर स्पेशियलिटी भेजा गया शेष को आज भेजा गया। हड़ताल के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रखने के लिए मेडिकल प्रबंधन ने विशेषज्ञों को जिम्मेदारी सौंपी है। आकस्मिक चिकित्सा कक्ष से लेकर वार्ड ड्यूटी तक विशेषज्ञ व अन्य चिकित्सक तैनात किए गए हैं। हालात से निपटने के लिए डीन डॉ. प्रदीप कसार ने चिकित्सकों के साथ बैठक की। बताया जाता है कि कोरोना के लगभग 100, पोस्ट कोविड 220, ब्लैक फंगस के 120 तथा अन्य वार्डों में करीब 300 मरीज भर्ती हैं। इसी तरह सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में कोरोना मरीजों के अलावा अन्य बीमारियों के उपचार व ऑपरेशन हेतु तमाम मरीज भर्ती किए गए हैं। वार्ड में मरीजों के उपचार के लिए 24 घंटे जूनियर डॉक्टर तैनात रहते हैं। उनके हड़ताल पर जाने से यह व्यवस्था प्रभावित हुई है ।जूनियर डॉक्टर एसोसियेशन के अध्यक्ष डॉ पंकज सिंह ने आरोप लगाया कि उनके साथ साथ सभी जूनियर डॉक्टर्स को धमकाया जा रहा है। प्रशासन पुलिस भेजकर गिरफ्तार करने की धमकी दी जा रही है। परिजनों को भी धमकी दी जा रही है। पर हम लोग मांगे पूरी नहीं होने तक हड़ताल जारी रखेंगे। हम धमकियों से डरने वाले नहीं है।

जेएनके विवि में शत प्रतिशत अधिकारियों ,आधे कर्मचारियों के साथ कातकाज शुरू

जबलपुर। कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए सौ 100: अधिकारियों एवं 50: कर्मचारियों के साथ आज जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर मुख्यालय सहित समस्त कार्यालय खोल दिए गए हैं कुलसचिव रेवा सिंह सिसोदिया ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश जारी किए मुख्यालय के साथ ही संचालक अनुसंधान सेवाएं संचालक विस्तार सेवाएं अधिष्ठाता कृषि संकाय संचालक प्रक्षेत्र अधिष्ठाता छात्र कल्याण बिजनेस प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट यूनिट कृषि विज्ञान केंद्र संचार केंद्र बायोटेक सेंटर सहित समस्त यूनिट्स को भी खोल दिया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज अभी नहीं खोले गए हैं किंतु ऑनलाइन शिक्षण कार्य एवं परीक्षाएं यथावत जारी रहेंगी ।कॉलेज में क्लासरूम टीचिंग न होकर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षण कार्य जारी है। विश्वविद्यालय इस समय आईसीएआर की ंबबतमकपजंजपवद तैयारी में व्यस्त है। सभी कॉलेजों के ऑनलाइन चवूमतचवपदज के माध्यम से कुलपति एवम अन्य अधिकारियों द्वारा तैयारी के की जा रही है ।कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ऑनलाइन ट्रेनिंग दी जा रही है। विश्वविद्यालय कैंपस में टीकाकरण कार्य चालू है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों सर्वश्री मुबीन अहमद मंसूरी अनुभाग अधिकारी लीगल सेल शेर बहादुर यादव अनुभाग अधिकारी जनरल सेक्शन एव सुरेश श्रीवास कार्यालय सहायक परीक्षा विभाग आदि को अधिकारी और कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी।

गोसलपुर में भूसा व्यापारी की कनपटी में कट्टा रख लूटे 3 लाख

दो बाइक में सवार थे चार लुटेरे, व्यापारी के साथ मारपीट भी की

जबलपुर। गोसलपुर थाना अंतर्गत एक भूसा व्यापारी से तीन लाख की लूट का मामला सामने आया है। जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है। व्यापारी दाना- और भूसा बेंचकर ग्राम जुझारी से बंधा जा रहा था, तभी रास्तें में अज्ञात बाइक सवार चार बदमाशों ने कट्टा अडाकर व्यापारी से जमकर मारपीट की और पैसों से भरा बैग लेकर नौ-दो-ग्यारह हो गए। जिसके बाद पीडित ने गोसलपुर थाने पहुंचकर अपनी रिपोर्ट लिखाई। पुलिस मामले की छानबीन पर जुटी है, लेकिन अभी तक बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिला है।

गोसलपुर पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बंधा ग्राम निवासी भूसा व्यापारी विवेक तिवारी दाना-पानी और लोगों से खरीदा हुआ भूसा बेंचकर अपने घर बंधा जा रहा था। तभी जुझारी गांव के बगीचे के पास अचानक दो बाइकों में चार नकाबपोश बदमाश अचानक आ धमकें और भूसा व्यापारी की बाइक से बाइक अड़ाकर उसे रोक लिया।

जान का लोभ है कि नहीं

पुलिस ने बताया कि पीड़ित को रोककर लुटेरों ने पहले तो मारपीट की और फिर कनपटी में कट्टा अड़ाकर रुपयों से भरा बैग लूटने लगे। लेकिन जब पीड़ित भूसा व्यापारी ने उनका विरोध किया तो बदमाशों ने जान से मार देने की धमकी देते हुए बैग छीन लिया और भाग खड़े हुए।

पुलिस खंगाल रही रिकॉर्ड

पीड़ित विवेक तिवारी की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए पुलिस अब क्षेत्र के बदमाशों के रिकॉर्ड खंगाल रही है। बताया जाता है कि हाल ही में जेल से छूटे बदमाशों ने ही योजना बनाकर इस पूरी लूट को अंजाम दिया है। लेकिन अभी तक पुलिस के पास कोई सबूत नहीं है। लिहाजा मामले की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आवश्यकता है

कुशल ड्रायवर की आवश्यकता है हेवी लायसेंसधारी जो कि ट्रक और एलपीडी वाहन चलाने में सक्षम हो ।

पता- चौरसिया ट्रांसपोर्ट बल्देवबाग, जबलपुर
मो. 9399520595, 9179024141

युवक पर चाकू से हमला

पत्नी की दवा लेकर लौट रहा था ससुराल

*जबलपुर यश भारत। बीती रात बरेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक पर किसी पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने एक राय होकर उस वक्त चाकू से हमला कर दिया जब वह एक मेडिकल स्टोर से अपनी पत्नी की दवा लेकर ससुराल जा रहा था ।उक्त घटना की सूचना के आधार पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक कार्यवाही के उपरांत घायल को सबसे पहले स्थानीय अस्पताल ले गई , जहां से चिकित्सकों की सलाह पर उसकी गंभीर हालत को देखते हुए विक्टोरिया अस्पताल रेफर कर दिया । पुलिस ने घायल की रिपोर्ट पर दो युवकों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के उनकी गिरफ्तारी करने में लगी हुई है। इस घटना के संबंध में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि ओमती थाना अंतर्गत भरतीपुर निवासी 40 वर्षीय संदीप पिता सुदामा चौधरी की बरेला में ससुराल है। बीती रात पत्नी की तबीयत खराब होने का फोन उसके पास आया तो वह बरेला पहुंचा और एक मेडिकल स्टोर से दवाई लेकर जैसे ही ससुराल जा रहा था इसी दौरान बीच रास्ते में बरेला निवासी राजेश सेन एवं राजेश पटेल रास्ता रोककर किसी पुराने विवाद को लेकर उससे गाली गलौज करने लगे जब उसने विरोध किया तो राजेश पटेल ने संदीप चौधरी को पकड़ा और राजेश सेन ने अपने पास रखा चाकू निकालकर उसके पेट पर घोंप दिया और दोनों फरार हो गए । पुलिस ने घायल की रिपोर्ट पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

महिला डॉक्टरों ने कोविड –19 के विरुद्ध मोर्चा जीतकर दिया नारी शक्ति का परिचय

जबलपुर, यशभारत। पश्चिम मध्य रेल के केंद्रीय चिकित्सालय एवं अन्य रेल अस्पतालों में कोविड आइसोलेशन वार्ड में कोविड-19 संक्रमण मरीजों की इलाज में महिला डॉक्टरों ने एक टीम के रुप में सराहनीय कार्य करके अदम्य साहस दिखाया। ये डॉक्टरों ने रात-दिन बिना रुके, बिना थके कोविड मरीजों की चिकित्सा सेवा की। इस चिकित्सीय सेवा में कई महिला डॉक्टरों के परिवार के करीबी भी कोविड संक्रमित हो गए लेकिन इसके बावजूद अपने काम को बखूबी अंजाम देते रहे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय चिकित्सालय जबलपुर की प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नाजिया तब्बुस्सुम ने कोविड आइसोलेशन वार्ड तथा आकस्मिक चिकित्सा में कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान अपनी ड्यूटी को कर्मठता से निभाया, जबकि इस दौरान उनके पिता जी भी कोरोना पॉजिटिव संक्रमित हो गए थे तब भी वह अपने कर्तव्यों से नहीं डिगी बल्की कर्तव्य पालन को बखूबी अंजाम देने के लिए अपने कार्य के घंटो के अतिरिक्त भर्ती मरीजों की देख भाल मे कोई कसर नहीं छो?ी। अपने पिता का भी बराबर चिकित्सीय सेवा की उनका ये जज्बा और साहस एवं मरीजों के प्रति सहानुभूति को देखकर उनके सहकर्मी भी उनकी सराहना करते नहीं थकते। उनकी कर्तव्यनिष्ठता की सर्वत्र सराहना हो रही है। इसी प्रकार एडीएमओ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मीनल वर्मा ने भी आइसोलेशन वार्ड और कोविड आकस्मिक चिकित्सा में बड़ी निडरता से कोविड मरीजों का इलाज किया, जबकि वह स्वयं कोरोना पॉजिटिव हो गई थी। लेकिन वह स्वस्थ होकर वापस आयी और दुगनी शक्ति एवं साहस से अपनी ड्यूटी को निभाया। कोटा मंडल की एडीएमओ पैथोलॉजी डॉक्टर स्वर्णा दास को केंद्रीय चिकित्सालय में कोविड मरीजों की इलाज के लिए ड्यूटी करने बुलाया गया। इन्होंने ने कोविड संक्रमण से निपटने के लिए संविदा अनुबंधित महिला डॉक्टरों की टीम को बड़ी कुशलता से प्रशिक्षित किया । जो कोविड मरीजों की चिकित्सा सेवा में अत्यधिक लाभदायक सिद्ध हुआ। मण्डल चिकित्सा अधिकारी ईएनटी डॉक्टर मीनाक्षी मिश्रा ने कोविड मरीजों के इलाज में उपयुक्त होने वाली कोविड दवाओं का प्रबंध कर अपनी सेवाएं प्रदान की। इसके अलावा कोविड मरीजों के इलाज के दौरान उनकी विशेष मेडिकल अवकाश के सर्टिफिकेट जारी करने का विशेष कार्य किया, जिससे उनकी कार्यालय की प्रशासनिक सेवा में बाधा उत्पन्न नहीं हुआ। इस कार्य की भी अत्यंत सराहना की जा रही है। पश्चिम मध्य रेल केन्द्रीय चिकित्सालय में डॉ. वर्तिका पालीवाल और डॉ. दिव्या पटेल अनुबंधित डॉक्टरों के रूप में शामिल हुई और कोविड -19 के खिलाफ अथक परिश्रम किया और उनके काम की भी सभी ने सराहना की ।केन्द्रीय चिकित्सालय जबलपुर की मुख्य लैब अधीक्षक श्रीमति काम्या रंगवानी , निधि गौतम और रोशनी अंजुम मंसूरी लैब टेक्नीशियन ने भी जबरदस्त काम किया। कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान दो महीनों में 2000 से ज्यादा सैम्पल लिए।

कोरोना की कारगर दवा की शहर में आई 50 डोज

एंटीबॉटी कॉकटेल का मेडीकल में ट्रायल प्रारंभ

जबलपुर। कोरोना के लिए कारगर मानी जाने वाली एंटीबाडी काकटेल का प्रदेश सहित जबलपुर के मेडीकल कालेज में ट्रायल प्रारंभ हो चुका है। इसकी एक डोज की कीमत 50 हजार रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। बताते हैं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डानल्ड ट्रंप इसी एंटीबाडी काकटेल इंजेक्शन ने कोरोना से बचाया था। इस इंजेक्शन के एक वाइल की कीमत 59750 रुपए है। अपने नाम एंटीबाडी काकटेल की तरह ही अलग पहचान रखने वाले इस इंजेक्शन ने हाल ही में काफी सुर्खियां भी बटोरी थी। इसकी खास बात यह है कि इसमें दो दवाओं का मिश्रण होताहै इसलिए इसे एंटीबाडी काकटेल कहा जाता हे। इसकी शहर में आने की भी खबर है। प्रदेश के तमाम मेडिकल कालेजों में ट्रायल के रूप में एंटीबाडी काकटेल की खेप भेजी गई है। इसका ट्रायल गत दिवस से ही शुरू हो गया है। शहर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज अस्पताल में भी एंटीबाडी काकटेल के 50 डोज आ गए है, जिन्हें माइल्ड और माडरेट कोविड 19 पेशेंट को दिया जाएगा। ट्रायल के तौर पर जिन मरीजों को यह इंजेक्शन दिए जाएंगे उनके स्वास्थ संबंधी परीक्षण की रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट अस्पताल प्रबंधन शासन को भेजेगा।

60 हजार से एक खुराक 1 लाख से अधिक में मल्टी डोज

यह इंजेक्शन कितना कारगर है इसकी समीक्षा शुरू हो गई है जानकारी के मुताबिक इसके 1 वाइल में 1200 एमजी दवा होती है इसमें 600 एमजी केसिरिविमेब और 600 एमजी इमदेविमाब खुराक होती है। अगर इसकी कीमत की बात करें तो फिलहाल इसकी सरकारी खरीद पर एक खुराक की कीमत 59 हजार 750 रुपये है जबकि दवा के मल्टी डोज पैक की अधिकतम कीमत 1 लाख 10 हजार रूपये से अधिक बताइ जा रही है।

रोज इंडिया ने दवा को किया भारत में लांच शहर के मेडिकल कालेज के साथ साथ दो निजी अस्पतालों द्वारा भी इस एंटीबाडी काकटेल इंजेक्शन की खेप बुलवाई गई है। इसे अनुमति के आधार पर मरीजों पर ट्रायल किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक भारत में दवा बनाने वाली दिग्गज कंपनी रोज इंडिया ने इसे भारत में लांच किया है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रं.-1 बालाघाट (म.प्र.),

निविदा सूचना क्रं. 02/वर्ष 2021-22/व.ले.लि./ बालाघाट, दिनांक 07/05/2021

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्रं.	टेंडर क्रं.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	141902	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग बैहर के अंतर्गत 04 मार्गो का बी.टी. रिनिवल का कार्य। 1. विश्राम गृह गढ़ी पहुंच मार्ग का बी.टी. रिनिवल कार्य। लंबाई 1.50 कि.मी. राशि 8.34 लाख। 2. विश्राम गृह दमोह पहुंच मार्ग में बीटी रिनिवल का कार्य। लंबाई 0.50 कि.मी. राशि 2.78 लाख। 3. विश्राम गृह परसवाड़ा पहुंच मार्ग में बी.टी. रिनिवल का कार्य। लंबाई 0.50 कि.मी. राशि 2.78 लाख। 4. विश्राम गृह लामता पहुंच मार्ग में बी.टी. रिनिवल का कार्य। लंबाई 0.70 कि.मी. राशि 8.74 लाख।	तृतीय आमंत्रण	22.64	45280/-	5000/-	04 माह वर्षाऋतु छोड़कर
2	141903	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग क्रमांक-1 बालाघाट के अंतर्गत भवन/ सड़क मरम्मत हेतु मटेरियल प्रदाय का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	10.00	20000/-	2000/-	31 मार्च 2022
3	141904	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग क्रमांक-2 बालाघाट के अंतर्गत भवन/ सड़क मरम्मत हेतु मटेरियल प्रदाय का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	2.00	4000/-	2000/-	31 मार्च 2022
4	141905	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग लांजी के अंतर्गत भवन/ सड़क मरम्मत हेतु मटेरियल प्रदाय का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	2.00	4000/-	2000/-	31 मार्च 2022
5	141906	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग बैहर के अंतर्गत भवन/ सड़क मरम्मत हेतु मटेरियल प्रदाय का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	5.00	10000/-	2000/-	31 मार्च 2022
6	141907	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग क्रमांक-1 बालाघाट के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का ए.आर./एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू. एवं अन्य जमा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	18.00	36000/-	2000/-	31 मार्च 2022
7	141908	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग क्रमांक-1 बालाघाट के अंतर्गत आवासीय भवनों का ए.आर./एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू. एवं अन्य जमा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	18.00	36000/-	2000/-	31 मार्च 2022
8	141909	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग क्रमांक-2 बालाघाट के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का ए.आर./एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू. एवं अन्य जमा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	5.00	10000/-	2000/-	31 मार्च 2022
9	141910	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग वारासिवनी के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का ए.आर./एस.आर /एम.ओ.डब्ल्यू. एवं अन्य जमा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	10.00	20000/-	2000/-	31 मार्च 2022
10	141911	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग लांजी के अंतर्गत आवासीय गैर आवासीय भवनों का ए.आर./एस.आर /एम.ओ.डब्ल्यू. एवं अन्य जमा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	10.00	20000/-	2000/-	31 मार्च 2022
11	141912	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग बैहर के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का ए.आर./एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू. एवं अन्य जमा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	10.00	20000/-	2000/-	31 मार्च 2022
12	141913	बालाघाट	ए.आर. मद	लोनिवि उपसंभाग बैहर के अंतर्गत आवासीय भवनों का ए.आर./एस.आर./एम.ओ.डब्ल्यू. एवं अन्य जमा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	5.00	10000/-	2000/-	31 मार्च 2022
				कुल रुपये:-		117.64			

उपरोक्त वेबसाइड ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 11/06/2021 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा आनलाईन ही प्राप्त किए जायेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक-1 बालाघाट

जी-12950/21

दो गज की दूरी मास्क है जरूरी

संपादकीय

जमीनी हकीकत के अनुरूप उठायें कदम

सोमवार को शीर्ष अदालत ने देश में वैक्सीन नीति से जुड़ी विसंगतियों और इससे जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार से सख्त लहजे में सवाल पूछे और तल्ख टिप्पणियां कीं। ये सवाल वैक्सीन की खरीद, वैक्सीन की उपलब्धता और इसके लिये पंजीकरण से जुड़ी दिक्कतों से भी जुड़े थे। दरअसल, अदालत कोरोना मरीजों की दवा, ऑक्सीजन और वैक्सीन से जुड़े मुद्दों पर स्वत‑ संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रही है। तीन सदस्यीय बेंच में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, एस. रवींद्र भट्ट और एल. नागेश्वर राव शामिल थे। बेंच के सामने केंद्र सरकार की ओर से उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से अदालत ने कड़े सवाल किये। बेंच ने कहा कि केंद्र सस्ते दाम में वैक्सीन खरीद रही है और राज्यों व निजी चिकित्सालयों के लिये कंपनियां कीमत तय कर रही हैं। ऐसा क्यों है? वैक्सीन खरीदने के लिये राज्य ग्लोबल टेंडर निकाल रहे हैं, क्या यह केंद्र की पालिसी का हिस्सा है? बेंच ने यह भी पूछा कि केंद्र सरकार डिजिटल इंडिया की दुहाई देती है, जबकि देश में गरीबी व निरक्षरता के चलते श्रमिक वर्ग कैसे कोविन एप पर पंजीकरण करा सकेगा? अदालत का मानना था कि देश में टीके की कीमत में एकरूपता होनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि सही-गलत का निर्धारण सिर्फ केंद्र सरकार ही कर सकती है। जनसरोकारों से जुड़े विषयों में अदालत को हस्तक्षेप करने के पूरे अधिकार हैं। सॉलिसिटर जनरल द्वारा यह कहने पर कि यह नीतिगत मामला है और कोर्ट के पास न्यायिक समीक्षा के अधिकार सीमित हैं, कोर्ट ने दो टूक कहा कि हम आपसे नीति बदलने के लिए नहीं कह रहे हैं लेकिन केंद्र सरकार को जमीनी हकीकत से वाकिफ होना चाहिए। लोगों को सरकार की नीति से परेशानी नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने माना कि महामारी का संकट बड़ा है और हाल ही में विदेश मंत्री अमेरिका आवश्यक चीजों के लिये गये थे, लेकिन सरकार को अपनी कमियां भी स्वीकारनी चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि यह सुनवाई सरकार को असहज करने के लिये नहीं है, कमजोरी स्वीकारना मजबूती की निशानी भी होती है।दरअसल, शीर्ष अदालत की बेंच केंद्र सरकार से टीका नीति की वास्तविक स्थिति जानना चाहती है। न्याय मित्र जयदीप गुप्ता ने टीका नीति की विसंगतियों की ओर अदालत का ध्यान खींचते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने राज्यों को टीका खरीद का करार करने को कहा है लेकिन एक तो विदेशी टीका निर्माता कंपनियां राज्यों से करार नहीं करना चाहतीं, वहीं हर राज्य की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह महंगी वैक्सीन जुटाने में सक्षम हो। हालांकि, टीके के दामों के बाबत पूछे जाने पर सॉलिसिटर जनरल का कहना था कि यदि हम टीकों के दामों से जुड़ी जांच की ओर बढ़ेंगे तो इससे टीकाकरण कार्यक्रम प्रभावित होगा। कोर्ट का मानना था कि देश की संघीय व्यवस्था के तहत बेहतर होता कि केंद्र वैक्सीन खरीद कर राज्यों को देता। लेकिन केंद्र राज्यों को अनिश्चय की स्थिति में नहीं छोड़ सकता। वहीं केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि उसे ज्यादा टीके खरीदने के कारण कम कीमत पर टीका मिला है। अदालत द्वारा तीसरी लहर की चुनौती में ग्रामीण क्षेत्रों व बच्चों के अधिक प्रभावित होने की आशंका को लेकर पूछे गये सवाल पर केंद्र की ओर जवाब दिया गया कि सरकार ने गंभीर विचार-विमर्श के बाद टीकाकरण नीति का निर्धारण किया है। यदि इसमें किसी तरह के बदलाव की जरूरत होगी तो सरकार सही दिशा में बदलाव को तत्पर रहेगी। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि देश में टीका उत्पादन की क्षमता के अनुरूप क्या साल के अंत तक टीकाकरण के लक्ष्य हासिल कर लिये जाएंगे? इस पर केंद्र के प्रतिनिधि का कहना था कि टीकों की उपलब्धता के आधार पर ही लक्ष्य तय किये गये हैं। निस्संदेह शीर्ष अदालत ने देश के जनमानस को उद्वेलित कर रहे सवालों का ही केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण चाहा है ताकि जनता में किसी तरह की ऊहापोह की स्थिति न बने। निस्संदेह जनमानस की आशंकाओं का निराकरण जरूरी है।

नाकामी से उपजी चुनौतियों से मुकाबले का वक्त

जिस तरह का खेल आज की राजनीति खेल रही है, उसका अध्ययन करने के लिए उत्तर प्रदेश से बेहतर जगह कौन-सी होगी। वह आज फूट डालने वाली राजनीति का हृदयस्थल है और ऐसा सूबा जहां से विधानसभा और संसद में स्पष्ट बहुमत पाने की राह खुलती है। बतौर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस विध्वंसक राजनीति के प्रतीक हैं। वे कड़े तेवर रखने वाले ऐसे व्यक्ति हैं, जिनका भारत बनाने का नजरिया अलग है। जिन्हें दृढ़ विश्वास है कि दुनिया का विषय कोई भी हो, लेकिन उनका निर्णय अंतिम है और यह सब अपनी योजना को सिरे चढ़ाने हेतु है। इस काम में उनकी 'युवा वाहिनी' और इस किस्म के अन्य संगठन पूरी तरह मददगार हैं। इनका पहला बड़ा प्रयोग गोमांस निषेध कार्यक्रम था, जिसमें उन अल्पसंख्यकों को सुनियोजित ढंग से निशाना बनाया गया, जिन पर गोवध या गायों को बूचड़खाने तक ले जाने का शक था, या फिर जो गोमांस ले जा रहे हों या घरों में रखे हुए हों। 'सतर्कता समूह' के नाम पर राजनीति विशेष की पूर्ति को बने यह 'तूफानी-योद्धा', जिनके सदस्यों की भर्ती, प्रशिक्षण और सोच-परिवर्तन काफी पहले किया जा चुका है, वे सड़कों पर आकर उन वाहनों की जांच करने लगे, जिन पर गोमांस ले जाने का शक हो और मौके पर मुकदमा चला 'न्याय' तक देने लगे। यहां तक कि जिन लोगों के पास वैध कागजात होते, उन्हें भी नहीं बख्शा जाता और कई मामलों में तो उनकी सामूहिक रूप से पिटाई कर मार डाला। पुलिस को शिकायत देने का परिणाम है उलटा शिकायतकर्ता पर ही केस दर्ज होना। सूबे पर डर का साया पसरा हुआ है और रात को सफर करना खतरनाक बन गया है, यहां तक कि गैर-मुस्लिमो के लिए भी। जिस विष-बेल का लंबे समय से पोषण किया जा रहा था, उस पर अब फल लगने लगे हैं।

इन लोगों की कार्य सूची में अगला बिंदु 'एंटी रोमियो' और 'एंटी लव-जिहाद स्कवाड' बनाना था। राज्य सरकार ने 'खोज' कर पाया कि मुस्लिम युवा एक बड़ी साजिश के तहत जवान हिंदू लड़कियों को बरगलाकर, जबरदस्ती धर्म-परिवर्तन करा निकाह कर लेते हैं। लिहाजा ऐसे 'अपराधियों' को सबक सिखाने को एक स्कवाड बनाई गई। चूंकि यह 'गंभीर' मामला था, लिहाजा राज्य सरकार ने बीच में पड़ते हुए एक ऐसा कानून बनाया और लागू किया कि इस किस्म के कृत्य को अपराध की श्रेणी में रखकर सख्त सजा का प्रावधान किया गया। जल्द ही इस कानून की 'लोकप्रियता' देखने को मिली, जब मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों ने भी अपने यहां ऐसे प्रावधान लागू किए और कुछ अन्य करने को हैं। एक बार फिर प्रेमी युवाओं पर डर तारी हो गया और वे मदद पाने को न्यायालय की शरण जाने लगे।

सूबे के सत्ताधीश जिन्होंने फूट डालने वाली राजनीति फैलाकर राजसत्ता हासिल की है, वे अपनी कार्य सूची पर आगे अमल करने को आमादा हैं और इनके पास मतदाता को सुशासन, विकास और बुनियादी जरूरतें जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा देने के नाम पर विशेष नहीं है, जबकि इन्हें मुहैया करवाना किसी भी सरकार का मूल कर्तव्य होता है।

कुछ दिन पहले, एनडीटीवी चैनल का 'न्यूज 24×7' देख रहा था, जिसमें वार्ता चली हुई थी कि कोविड महामारी पर बतौर राष्ट्र भारत की सामान्य प्रतिक्रिया कैसी रही और राज्य एवं केंद्रीय एजेंसियों द्वारा मुहैया डाटा कितना विश्वसनीय है। अलग तरह की इस वार्ता में पैनल में तीन बेहतरीन प्रोफेसर भाग ले रहे थे, जिनमें एक थे मेयो क्लिनिक, रोचेस्टर (अमेरिका) के डॉ. विनसेंट राज कुमार और अशोका विश्वविद्यालय के डॉ. मेनन और एक अन्य विशेषज्ञ (जिनका नाम मुझे याद नहीं है)। जब खासतौर पर संक्रमण और मृत्यु दर आंकड़ों की विश्वसनीयता के बारे में पूछा गया तो डॉ. विनसेंट ने बताया कि संक्रमित और मौत का ग्रास बने लोगों के वास्तविक आंकड़े बताई जा रही संख्या से कम-से-कम दोगुने हैं और आगे बताया कि कुछ अनुमानों के अनुसार सही संख्या पांच गुणा अधिक हो सकती है। डॉ. मेनन ने उनकी इस बात की पूरी तरह ताईद की और तीसरे पैनलिस्ट ने भी दबे स्वर में इसको सही माना। इस बिंदु ने बाकी चर्चा का विषयवस्तु तय किया, जिसका ध्यान ऑक्सीजन, वैक्सीन इत्यादि में कमी पर केंद्रित रहा। जो तथ्य उभरकर सामने आए कि महामारी की मार के सम्मुख देश का समूचा स्वास्थ्य तंत्र अत्यंत बुरी हालत में है।

कोविड महामारी के प्रति उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया भी ठीक वही थी जैसी बाकी भारतीय राज्य और केंद्रीय सरकारों की रही थी, यानी प्रदेश में महामारी की भीषणता को नकारना। राज्य प्रशासन तो हर उस व्यक्ति को धमकाने और केस दर्ज करने पर उतर आया जो ऑक्सीजन या अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में कमी को उजागर करता पाया गया और इसको अपने छवि बिगाड़ने वाला कृत्य ठहराने लगा। जैसे-जैसे संक्रमण की संख्या तेजी से बढ़ने लगी और समूचा स्वास्थ्य तंत्र दबाव में आ गया तो सरकार की प्रतिक्रिया थी-आंकड़ों में हेराफेरी करो। तथापि, हकीकत और झूठ के बीच चूंकि अंतर बहुत बड़ा था और जो कुछ सरकार बता रही थी, उसे स्वीकार करने का पर्दाफाश गंगा में बहती लाशों ने कर डाला, जो धारा के साथ बिहार तक पहुंच गई। फिर उसके बाद आया नदी तट की रेत में दफनाए गए सैकड़ों शवों का दृश्य। एक वीभत्स मंजर तो लाशों को खाते जानवर और पक्षियों का था। भारत में मृत्यु उपरांत तमाम धार्मिक रीतियों में जो एक बात समान है कि मृत देह का अवसान, उपलब्ध स्रोतों अनुसार जहां तक संभव हो, ससम्मान और शालीन ढंग से किया जाए। लाशों की दृश्यावली और उसके बाद की दुर्गति सामने आने पर जिस तरह की गहरी चुप्पी राजनेताओं ने साधे रखी है, वह अपने आप में कहानी बयां करती है।

एनडीटीवी ने दिल्ली के आसपास के कुछ गांवों की डिस्पेंसरियों का हाल भी दिखाया जहां न तो कोई डॉक्टर, न स्टाफ, न ही उपकरण थे, बल्कि जगह का इस्तेमाल बतौर उपला या चारा भंडार गृह इत्यादि के तौर पर किया जा रहा था। गांव-दर-गांव कैमरा घूमा, लेकिन दृश्य सब जगह लगभग एक-सा था। अगर यह हाल दिल्ली के ठीक बगल का है तो दूरदराज के गांवों की स्थिति क्या होगी? एक क्षण के लिए तो मुझे विचार कौंधा, हो न हो यह निकृष्ट डिस्पेंसरियां और वहां पड़ा गोबर-चारा सच में प्रयोजन से है, क्योंकि हो सकता है कोई बाबा रामदेव सरीखा इससे नयी चमत्कारी दवा बनाना चाहता हो!

आइए पुनः विश्व में बनी उस चिंता की ओर ध्यान दें। अमेरिका जैसे देशों के विदेशी संगठनों की रिपोर्टें हैं कि भारत में धर्म को मानने की आजादी, प्रेस स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों वाले अनेकानेक सूचकांकों में देश तेजी से अधोगति की ओर है। इन पर केंद्र सरकार का जवाब आता है कि उक्त एजेंसियां भारत के प्रति दुराव रखती हैं और हमारी तेजी से बढ़ती आर्थिक और सैन्य शक्ति में इजाफा इन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा है (मैं चाहता हूं, अब लगे हाथ इसका उत्तर भी दें‍गे कि कैसे बांग्लादेश आर्थिकी समेत अन्य सूचकांकों में भारत से आगे निकल गया)। पिछले एक दशक से हमारा देश नफरत और फूट की राजनीति में फंसा हुआ है। राष्ट्र-राज्यों के बीच की सीमाएं, वास्तविक हों या आभासीय, उभर आई हैं। जबकि इससे पहले यह कभी नहीं हुआङ्कचाहे यह सीमा सिंघु की हो या टिकरी की या फिर यह सत्तारूढ़ दल बनाम विपक्ष शासित राज्यों के बीच खींची गई हो। रार बनाने वाले मामलों की कार्य सूची लंबी होती जा रही है, जिसका मुख्य आधार पैदा किया गया अविश्वास और नफरत है। सतारूढ़ व्यवस्था समूचे राज्य पर अपनी कार्य सूची थोपना चाहती है, जिसके अनुपयुक्त मूल्य और धर्म विशेष की रूढ़िवादी सोच बाकी देश में व्याप्त उदार विचारों वाले जनमानस से एकदम विपरीत है। भारत राज्यों का संघ है, ऐसा संघ जिसकी नीव अनेकता में एकता पर टिकी है। हम एक संघीय ढांचे वाला लोकतंत्र हैं, भाषा के आधार पर राज्यों का गठन इसी सिद्धांत को सुरक्षित और जीवित रखने के उद्देश्य से था। चुनाव जो हमारे प्रजातंत्र का मुख्य उत्सव रहे हैं, उन्हें बाहुबल, धनबल और घटिया शब्दावली बरत कर सड़कछाप लड़ाई का स्वरूप दे डाला गया है, और केंद्र में राज कर रही पार्टी अपने अकूत स्रोतों के बल पर इस काम में सबसे आगे है।

धर्म विशेष की रूढ़िवादिता को बढ़ावा देने वाले इन नेताओं ने हमारे देश को भी पड़ोस के धर्म-आधारित राज-व्यवस्था वाले मुल्क सरीखा बना दिया है, वह जिसके साथ हमारे कई युद्ध हो चुके हैं। लेकिन धर्म को तरजीह देने वाला वह मुल्क अब अधिकांश प्रभागों में दीवालिया हो चुका है और आंतरिक संघर्षों एवं अशांति से ग्रस्त है। कभी उक्त कारणों से हम उसे हेय दृष्टि से देखते थे, लेकिन लगता है प्रयोजनवश हमारे नेता भी उसकी नकल करने में लगे हैं। क्या हम एक गैर-वैज्ञानिक सोच रखने वाले उस निजाम से शासित होने जा रहे हैं, जिसका विश्वास मिथकों और अंधविश्वासों पर टिका है? अब तक हमारी सफलता के पीछे वह सुदृढ़ नीव थी, जिसमें ठोस ईंटों के रूप में हमारे पूर्वजों ने राज्य और राष्ट्र स्तरीय अनेकानेक वैज्ञानिक और उच्च शिक्षा संस्थान, मसलन आईआईटी, आईआईएम, एम्स, पीजीआई, बहुउद्देशीय विश्वविद्यालय इत्यादि स्थापित किये थे। विविध अनुसंधान केंद्र रातों-रात नहीं बने हैं बल्कि राष्ट्र-निर्माण के सतत प्रयासों का नतीजा थे। एक ऐसा राष्ट्र जिसने इन संस्थानों में आधुनिक भारत के मंदिर होने का दर्शन किया हो, एक ऐसा राष्ट्र जो लोकतांत्रिक मूल्य कायम रखने वाले सिरमौर देशों में अपना उचित स्थान पाने का सही हकदार हो।

गहरा प्रश्न यह है, अब जब हम अंदरूनी संघर्ष वाले काल में दाखिल होने की कगार पर हैं तो यह राह हमें किस ओर ले जाएगी? जब-जब भारत आपस में बंटा है, तब-तब कमजोर हुआ है और जैसा कि अब्राहम लिंकन ने कहा था: 'जिस घर में फूट हो वह ज्यादा देर कायम नहीं रहता।' आज हम चीन और पाकिस्तान, यहां तक कि उस नेपाल से, जो लंबे समय तक हमारा साथी रहा है, के साथ भी गंभीर इलाकाई विवाद से ग्रस्त हैं। चीन हमें थल के अलावा जल में भी श्रीलंका, म्यांमार और ईरान में बंदरगाह बनाकर घेर रहा है। अफगानिस्तान में फिर से तालिबान का राज बनने को है (सनद रहे, पिछली बार तालिबान शासन में कंधार हवाई जहाज अपहरण कांड और कारगिल घुसपैठ हुई थी)। मौजूदा मीडिया रिपोर्ट बताती हैं कि अफगानिस्तान की सरकारी सेना के जवान बड़ी संख्या में तालिबान के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं। ईरान, जिसके साथ हमारे ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, आज वह भी भारत से खफा है और यही हाल श्रीलंका और म्यांमार का भी है। सांचा बन चुका है और माल ढलने को हैङ्क क्या भारत गहन चिंतन करके अंदरूनी और बाहरी लड़ाइयों से पार पाने की शक्ति पा सकेगा? एक बार फिर सही लेकिन मुझे आम आदमी की समझ पर यकीन है कि वह उठ खड़ा होगा, जैसा कि नये कृषि बिलों के खिलाफ ग्रामीण भारत ने हाथ मिलाकर शांतिपूर्ण किसान आंदोलन चलाया हुआ है। शायर इकबाल के शब्दों में कहें तो :-

कुछ बात है कि हस्ती, मिटती नहीं हमारी,
सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-जमां हमारा।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल, संघ लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

-गुरबचन जगत

आपका राशिफल 3 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

फिल्म वर्ग पहेली- 5453

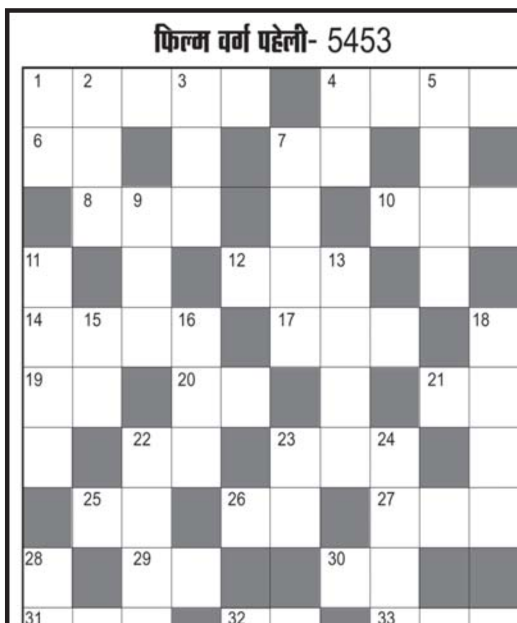

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

फिल्म वर्ग पहेली- 5452

Jagrutidaur.com, Bangalore

सेहत

वार्म वॉटर थेरेपी-इसकी मदद से बीमारियां करें दूर, जानें घर पर कैसे अपनाएं ये थेरेपी

वार्म वॉटर यानी गर्म पानी की थेरेपी मूलत‑ तीन तरह की होती है- पहली वार्म वॉटर ड्रिंकिंग थेरेपी, दूसरी वार्म वॉटर वॉश थेरेपी और तीसरी स्टीम थेरेपी।

वार्म वॉटर ड्रिंकिंग थेरेपी

इस थेरेपी में मरीज को दिन भर में 8-10 बार केवल गुनगुना पानी पीने के लिए दिया जाता है। पानी हमेशा स्टील, पीतल या सेरेमिक के गिलास में ही पीने के लिए कहा जाता है। गुनगुना पानी पीने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन बाहर निकल जाते हैं। इस थेरेपी से बलगम, गैस, एसिडिटी और शरीर में इकट्ठा हुई अतिरिक्त वसा की समस्या दूर होती है।

कैसे देते हैं यह थेरेपी

आर्थ्राइटिस के मरीज थोड़े-से गुनगुने पानी में कच्ची हल्दी का पेस्ट मिला लें। इस पानी को सुबह खाली पेट पिएं और शाम को डिनर से एक घंटा पहले पिएं। इससे जोडों के अंदर की अकडन दूर होगी।थाइरॉइड पीडित व्यक्ति रात को एक चम्मच साबुत धनिया एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह खाली पेट पानी को आधा रह जाने तक उबालें। इसे गुनगुना होने पर पी लें।

हाइपर एसिडिटी के मरीज को दिन भर में कम से कम 6 गिलास गर्म पानी पीने के लिए कहा जाता है। गुनगुना पानी पेट में जाकर इकट्ठी एसिडिटी को घोल देता है और 30 से 45 मिनट के भीतर एसिडिटी से आराम देता है।

मोटापे से ग्रस्त व्यक्ति को दिन में कम से कम 10-12 गिलास गर्म पानी पीना चाहिए। उसमें नीबू, कच्ची हल्दी का पेस्ट, आंवले का रस, शुद्ध शहद भी मिला सकते हैं। मरीज डायबिटिक है तो उसे शहद नहीं देते। किडनी के मरीजों को पानी थोडा-थोडा करके देते हैं।

त्वचा की समस्या से पी?त मरीज को गुनगुने पानी में नीबू मिलाकर पीने के लिए दिया जाता है और नीम के पत्तों का पेस्ट नहाने के पानी में मिलाकर नहाने के लिए कहा जाता है।

उल्टी, खट्टी डकार आ रही हो, भूख नहीं लग रही हो, आंतों में सूजन हो तो पीडित व्यक्ति को गर्म पानी पिलाया जाता है।

वार्म वॉटर वॉश थेरेपी‑ इसमें मरीज को वार्म वॉटर में नहाने को कहा जाता है या वार्म वॉटर से प्रभावित जगह की क्लीनिंग की जाती है।

क्लीनिंग बाथ थेरेपी‑ इसके तहत नीम के गुनगुने पानी से एनीमा किया जाता है। इसमें नीम के पत्ते और थोडा कपूर मिलाकर बनाए गर्म एंटीफंगल पानी से योनि मार्ग की बाहर से सफाई की जाती है।

स्पंज बाथ थेरेपी‑ जोडों के दर्द या आर्थ्राइटिस में गुनगुने पानी से नहाना फायदेमंद होता है। चाहें तो गुनगुने पानी में नहाएं या पानी में तौलिया को भिगोकर शरीर को स्पंज करें। इससे मसाज भी हो जाएगी और जोडों की अकडन धीरे-धीरे ठीक हो जाएगी।

हार्ड फुट बाथ थेरेपी‑ जिन्हें पैरों में ठंड लगती है या जलन रहती है या सूजन रहती है, उन्हें हार्ड फुट बाथ देते हैं। मरीज को स्टूल पर बिठा कर टब में गुनगुना पानी दिया जाता है, जिसमें वो पैर डुबो कर बैठता है। सिर पर गीला तौलिया रखते हैं, ताकि कोई बुरा प्रभाव न हो। वार्म वॉटर चुंबक की तरह रक्त को खींचता है, रक्त संचार ठीक करता है और पैरों की परेशानी कम करता है। स्पाइनल बाथ थेरेपी‑ अगर किसी मरीज को सिरदर्द, चक्कर या घबराहट की शिकायत हो तो उसे वार्म स्पाइनल बाथ दिया जाता है। गुनगुने पानी में तौलिये को भिगोकर थोडा निचोड कर जमीन पर बिछा देते हैं।

सूडोकु नवताल- 5974

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5973 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

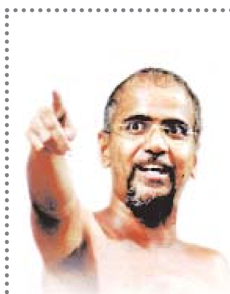

विचार प्रवाह

परायों के साथ जीना जितना आसान है, घर परिवार केक साथ जीना उतना ही मुश्किल है। घर में जीने का अर्थ केवल यह नहीं कि हम ईंट पत्थर और चूने से बने मकान में जिएं। घर के साथ जीने की पहली शर्त है कि हम अपने भीतर आत्मीयता औश्र सहज स्नेह का विस्तार करें। जिस घर में तीन पीढ़ियां एक साथ बैठकर भोजन और भजन करती हैं, वह घर धरती पर साक्षात् स्वर्ग है। अध्यात्म का प्रारंभ धर्म से होता है, परंतु धर्म का प्रारंभ घर से होता है और घर में घरवाली नहीं तो घर घर नहीं, महज मकान है।

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7036

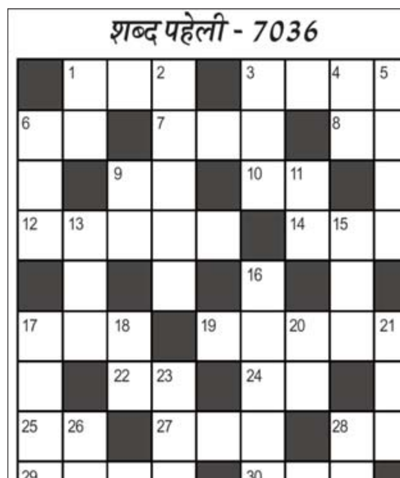

बाएँ से दाएँ

1.दैत्य,असुर-3
3.रुकावट,बाधा-4
6.सम्मान-2
7.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
8.मूल,कंद-2
9.सलाह,मशवरा-2
10.मोटा आटा-2
12.सलाह देने वाला-5
14.जलाना-3
17.माला का मोती-3
19.उग्रवाद,हिंसा वाद-5
22.शराब,मदिरा-2
24.दुख,कष्ट-2
25.चेतना,ध्यान-2
27.सालन,रसा-3
28.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
29.राजकुमार (उर्दू-4)
30.अस्तित्व,प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1.खैरात,दक्षिणा-2
2.गोलाकार-5
3.नश्वर,जो कभी न मरे-3
4.प्रतिदिन-2
5.हृदय स्पंदन-4
6.विचार-3
9.मार्ग,रास्ता-2
11.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13.बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15.सीरा,एक मिष्ठान्न-3
16.पतंग के पेच लड़ाना-5
17.बेसुध,अलमस्त-4
18.कार्य-2
20.जरा,थोड़ा-2
21.दरवाजा खटखटाना-3
23.इन्होंने कृष्ण को पाला था,कृष्ण की दूसरी मां-3
26.उकसावा,बढ़ावा-2
28.मैदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -7035 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

तिरंगा फहराकर मनाया भोपाल विलीनीकरण दिवस का जश्न

भोपाल। भोपाल रियासत के भारत गणराज्य में विलीनीकरण की 72वीं वर्षगांठ के अवसर पर मंगलवार को पूर्व महापौर आलोक शर्मा के नेतृत्व में भोपाल शहीद गेट एंव जुमेराती पोस्ट ऑफिस पर झंडा वंदन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कुछ कार्यक्रमों में कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया गया। विलीनीकरण दिवस के मौके पर इस घटना से संबंधित दुर्लभ दस्तावेज भी सार्वजनिक किए गए।मुख्य कार्यक्रम शहीद गेट पर हुआ, जहां झंडा वंदन किया गया। उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद भी भोपाल 1 जून 1949 को आजाद हो पाया था।दरअसल आजादी मिलने के लंबे समय बाद भी रियासत का विलय ना होने से जनता में आक्रोश था, जो विलीनीकरण आंदोलन में तब्दील हो गया था। इस अवसर पर मशाल जलाकर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, विधायक कृष्णा गौर, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, वरिष्ठ कार्यकर्ता राकेश कुकरेजा, मनोज राठौर, अभय पंडित, महेश मकवाना, हरदीप सिंह लब्बू, शैलेश साहू, विकास सोनी, हरिओम आसेरी आदि उपस्थित थे। उधर एक अन्?य कार्यक्रम में कादंबिनी शिक्षा एवं समाज कल्याण सेवा समिति ने करोंद स्थित 80 फीट रोड स्थित शिव मंदिर परिसर में भोपाल विलीनीकरण दिवस के मौके पर तिरंगा ध्वज फहराकर राष्ट्रगान किया। ध्वज राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग सह शारीरिक प्रमुख महेश राठौर ने फहराया। इस अवसर पर जिला कार्यवाह शिखर जैन, कादंबिनी समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा,दिनेश जोशी,सौरभ अग्रवाल आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर 11 समाजसेवी और कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महेश राठौर ने कहा कि भोपाल रियासत का एक जून 1949 को भारत गणराज्य में विलय हो गया और भारत की आजादी के 659 दिन बाद भोपाल में तिरंगा झंडा फहाराया गया। विलीनीकरण दिवस पर भोपाल स्वातंत्र्य आंदोलन स्मारक समिति द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में आंदोलन से संबंधित दुर्लभ, अप्रकाशित चित्रों व दस्तावेजों के प्रदर्शन के साथ ही भोपाल विलीनीकरण के विभिन्न पक्षों पर केंद्रित प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। समिति के सचिव डॉ. आलोक गुप्ता द्वारा %भोपाल विलीनीकरण की कहानी ॑ दस्तावेजों की जुबानी% में प्रस्तुत अधिकांश दस्तावेज उनकी प्रकाशनाधीन पुस्तक %भोपाल ॑ द रियल हिस्ट्री卐 में सम्मिलित हैं। इनमें भाई रतनकुमार की हस्तलिपि में सरदार पटेल को संबोधित पत्र, बोरास के शहीदों का प्रत्यक्षदर्शी विवरण, रक्त रंजित तिरंगे का नईराह के मुखपृष्ठ पर प्रकाशित चित्र, जवाहर लाल नेहरू व सरदार पटेल के बीच पत्राचार इत्यादि के दस्तावेज शामिल थे। भोपाल विलीनीकरण के प्रमुख अवरोध दर्शाते दस्तावेजों में 1946 में पंडित नेहरू के भोपाल प्रवास के दौरान नवाब भोपाल द्वारा समस्त रियासतों का एक अलग देश प्रिंसिस्तान की मांग दर्शाते हुए नेहरू के नोट्स, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा का नई राह में प्रकाशित लेख और हाल में प्रकाशित पुस्तक प्रिंसिस्तान भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में नवाब भोपाल द्वारा पाकिस्तान के जनक मोहम्मद अली जिन्ना को संबोधित एक गोपनीय पत्र भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें नवाब भोपाल हमीदुल्ला का पाकिस्तान जाने का इरादा और रियासतों के विलीनीकरण में अवरोध उजागर होता है।

कोरोना योद्धाओं का किया सम्मान

आंदोलन से जुड़े दस्तावेज प्रदर्शित

अब सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और संजय दुबरी पार्क में वंश बढ़ाएंगी दो बाघिन

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में रहकर शिकार के गुर सीखने वाली दो बाघिन अब नर्मदापुरम (होशंगाबाद) के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और सीधी जिले के संजय दुबरी टाइगर रिजर्व में वंश बढ़ाएंगी।दोनों को मंगलवार को नर्मदापुरम और सीधी रवाना कर दिया गया है। इन्हें खुले जंगल में छोड़ा जाएगा और रेडियो कॉलर से निगरानी की जाएगी। ये बाघिन वही हैं, जिन्हें डेढ़ साल पहले तेंदूपत्ता श्रमिक को मारने के बाद संजय पार्क से बांधवगढ़ शिफ्ट किया गया था। जबकि चार साल के एक अन्य बाघ को मुकुंदपुर चिड़ियाघर भेजा गया है।संजय पार्क में मां से कुछ दूरी पर घूमती दोनों बाघिन ने तेंदूपत्ता तोड़ने आई महिला पर हमला कर दिया था जिससे उसकी मौत हो गई थी। ग्रामीणों की नाराजगी के चलते पार्क प्रबंधन ने दोनों बाघिन को बांधवगढ़ पार्क शिफ्ट कर दिया था। तब उनकी उम्र दो साल से भी कम थी।बांधवगढ़ में दोनों को मगधी परिक्षेत्र के तहत बहेरहा क्षेत्र में अलग-अलग बाड़ों में रखकर शिकार का प्रशिक्षण दिया गया। जब वे शिकार करने लगीं, तो उनके बाड़े में जिंदा चीतल छोड़े गए, जिनका उन्होंने कुशल शिकारी की तरह शिकार किया। वन्यप्राणी विशेषज्ञों से उनके व्यवहार का परीक्षण कराने के बाद दोनों को खुले जंगल में शिफ्ट करने की अनुमति ली गई और मंगलवार को दोनों को रवाना कर दिया गया। वर्तमान में दोनों की उम्र तीन साल तीन माह है।

अनलॉक के पहले दिन कई पर्यटकों ने की सैर

प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क और अभयारण्यों में मंगलवार से पर्यटन शुरू हो गया, जो 30 जून तक जारी रहेगा। इसके बाद तीन माह के लिए पार्क बंद हो जाएंगे। करीब डेढ़ महीने बाद खुले पार्कों की सैर करने को कई पर्यटक पहुंचे। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सुबह और शाम की शिफ्ट में क्रमश॑ 73 और 51 पर्यटकों ने सैर की। तीन दिन पहले वनमंत्री विजय शाह ने पर्यटन शुरू करने के निर्देश दिए थे। जिला आपदा प्रबंधन समिति ने भी 50 फीसद क्षमता के साथ होटलें खोलने और कोरोना गाइड लाइन का पालन करते हुए पार्क में पर्यटन शुरू करने की सहमति दी है। इस आधार पर बांधवगढ़ सहित अन्य पार्क भी खोल दिए गए।

भोपाल में संग्रहालय खुले, दर्शकों को 15 जून के बाद मिलेगा प्रवेश

भोपाल। कोरोना कर्फ्यू में ढील के बाद शहर स्थित संग्रहालय और अभिलेखागार खोल दिए गए हैं, लेकिन अभी इनमें दर्शकों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। सिर्फ संग्रहालय के अधिकारी-कर्मचारी वहां पहुंच रहे हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत आने वाले संरक्षित स्मारकों को खोलने की अवधि बढ़ाकर 15 जून कर दी गई है। पहले यह 31 मई थी। 15 जून के बाद स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार जिला प्रशासन की गाइडलाइन के आधार पर इन्हें ऐहतियात के साथ खोला जाएगा। वहीं मप्र संस्कृति विभाग के अधीन आने वाले संग्रहालय और अभिलेखागारों की भी यही स्थिति है। केंद्रीय अभिलेखागार में जरूर आवाजाही की छूट है। उल्लेखनीय है कि शहर में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, राज्य संग्रहालय, रीजनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, जनजातीय संग्रहालय स्थित हैं, जिनका संचालन केंद्र और राज्य सरकार के विभागों द्वारा होता है। वहीं एएसआइ संरक्षित स्मारक में रानी कमलापति का महल शामिल है। संभावना है कि 15 जून के बाद शहर में सांस्कृतिक गतिविधियों को अनुमति मिलने के साथ ही संग्रहालय और अभिलेखागारों को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। सप्रे संग्रहालय खुला ॑ माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र एवं शोध संग्रहालय को मंगलवार से खोल दिया गया है। संग्रहालय के संस्थापक-संयोजक विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि अभी सिर्फ रिसर्च स्कॉलर को प्रवेश दिया जा रहा है।

नि:शुल्क प्रवेश के लिए निजी विद्यालयों की जानकारी पोर्टल पर 3 जून को होगी जारी

निजी विद्यालय संशोधन के लिए 5 जून तक कर सकेंगे दावा आपत्ति।

भोपाल। राज्य शिक्षा केन्द्र संचालक, धनराजू एस ने बताया कि नवीन शैक्षिक सत्र में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के नि:शुल्क प्रवेश की कार्यवाही स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा शीघ्र प्रारंभ की जा रही है।उन्होंने बताया कि 3 जून 2021 से शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत नि:शुल्क प्रवेश के लिए स्कूल संबंधी जानकारी द्धह्लह्लश्च://ह्म्द्गश्चशह्म्ह्लद्य.द्गश्च.द्द1.द्बठ्ठ पर उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें स्कूल का नाम, स्कूल आईडी, स्कूल का ग्राम/वार्ड, पड़ोस/विस्तारित पड़ोस, स्कूल की प्रवेश के लिएआरक्षित कक्षा और आरक्षित सीटों की संख्या आदि की प्रोविजनल सूची रहेंगी।धनराजू ने बताया कि यदि किसी प्रायवेट स्कूल को अपने स्वयं के स्कूल की प्रोविजनल जानकारी के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति है, तो वे 5 जून 2021 को शाम 4 बजे तक अपना अभ्यावेदन संबंधित विकासखण्ड के बी.आर.सी कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।इसके बाद दिया गया कोई भी अभ्यावेदन मान्य नहीं होगा। यदि कोई संस्था या समिति उनके प्रायवेट स्कूल को सत्र 2021-22 में संचालित नहीं करना चाहती है, तो उसकी जानकारी विकासखण्ड के बी.आर.सी कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके साथ ही अगर प्रोविजनल सूची में कोई अल्पसंख्यक शिक्षण संस्था सम्मिलित है, तो संस्था द्वारा सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की स्थिति में संस्था का नाम सूची से विलोपित किया जा सकेगा।

एम्स में म्यूकरमाइकोसिस के सभी मरीजों को मिलेगा इंजेक्शन

हमीदिया अस्पताल में एक मरीज की मौत, 11 मरीजों की हुई सर्जरी

भोपाल। राजधानी भोपाल के साकेत नगर में स्थित एम्स में म्यूकरमाइकोसिस के सभी मरीजों को अस्पताल से ही एंफोटेरिसिन इंजेक्शन मिलेगा। यहां पर यह बता दें कि बीते दो दिन से यहां सिर्फ आयुष्मान योजना वाले मरीजों को ही इंजेक्शन मिल रहा था। मरीजों के स्वजन ने इसकी शिकायत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से लेकर प्रदेश में मुख्य सचिव तक की थी। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने तय किया है कि सभी मरीजों को इंजेक्शन अस्पताल से दिए जाएंगे। दो दिन से म्यूकरमाइकोसिस के मरीजों को इंजेक्शन मिलने में दिक्कत इसलिए शुरू हुई कि पहले बाजार से इंजेक्शन मिलता था। डॉक्टर के पर्चे के आधार पर गैर आयुष्मान मरीजों के स्वजन इंजेक्शन खरीदकर लाते थे। अब रविवार से सीधे अस्पतालों में इंजेक्शन पहुंच रहा है। उधर, राजधानी में म्यूकरमाइकोसिस के मरीजों के लिए इंजेक्शन की किल्लत बनी हुई है। निजी और सरकारी अस्पतालों को बीते दो दिन से इंजेक्शन नहीं मिले हैं, जबकि इन अस्पतालों में म्यूकरमाइकोसिस के अनेक मरीज इलाज के लिए भर्ती हैं, जिन्हें इंजेक्शन की जरूरत है। इसके लिए जरूरी लाइपोसोमल इंफोटेरिसिन बी इंजेक्शन मंगलवार को मुंबई से आने वाले थे, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से विमान आने में देरी हो गई है। हमीदिया अस्पताल में मंगलवार को म्यूकरमाइकोसिस से एक मरीज की मौत हो गई। उधर, 11 मरीजों की इंडोस्कोपिक सर्जरी कर नाक व इसके पिछले हिस्से से फंगस निकाला गया है। जूनियर डॉक?टरों (जूडा) की हड़ताल के बाद भी हमीदिया अस्पताल में दो दिन में म्यूकरमाइकोसिस के 24 मरीजों की सर्जरी हो गई है। 12 मरीज भर्ती हुए हैं, जबकि छह की स्वस्थ होने पर छुट्टी कर दी गई है। यह भी बता दें कि हमीदिया में फिलहाल 120 मरीज भर्ती हैं।

पुलिस की चोरी गई सरकारी बाइक को बेचने निकले थे, दो गिरफ्तार

भोपाल। तलैया थाना पुलिस ने एक निगरानीशुदा बदमाश सहित दो लोगों को चोरी की तीन बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि इनमें से एक बाइक पुलिस विभाग की है, जो कि कुछ समय पूर्व जहांगीराबाद इलाके से चोरी हुई थी। आरोपितों से वाहन चोरी के अन्य मामलों में पूछताछ की जा रही हैतलैया थाना पुलिस के मुताबिक सूचना मिली कि एक संदिग्ध युवक केवड़े का बाग कचरा घर के पास खड़ा है। वह लॉकडाउन में हुई आर्थिक तंगी के कारण कम कीमत पर बाइक बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है मुखबिर से यह भी पता चला कि जो बाइक वह बेचना चाहता है, उस पर पुलिस विभाग का शासकीय नंबर अंकित है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने संदेही युवक को हिरासत में लिया और उसके पास मौजूद बाइक जब्त कर ली। पूछताछ करने पर उसने अपने साथी के साथ मिलकर कुछ दिनों पहले जहांगीराबाद इलाके से उक्त बाइक चोरी करना बताया।

ऑनलाइन परीक्षा होनी चाहिए?

भोपाल । केंद्र सरकार ने कोरोना संक्रमण की भयाभहता को देखते हुए इस साल सीबीएसई 12वीं की परीक्षा भी रद कर दी है। इससे पहले 10वीं की परीक्षा रद कर दी गई थी। इस फैसले को लेकर भोपाल में शिक्षाविदों की मिली-जुली प्रतिक्रिया है। शिक्षाविद अनिल सद्गोपाल ने जहां इसे विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिहाज से सही फैसला बताया है, वहीं कुछ अन्?य शिक्षाविदों की राय है कि 12वीं की परीक्षा छात्रों के कॅरियर के लिए महत्वपूर्ण होती है, इसलिए इसे रद नहीं करना चाहिए। इस संदर्भ में सीबीएसई के विद्यार्थियों का कहना है कि परीक्षा रद करना सही फैसला है, लेकिन ऑनलाइन परीक्षा लेकर रिजल्ट तैयार होना चाहिए। राजधानी में 96 सीबीएसई स्कूलों के एक लाख 30 हजार विद्यार्थी 12वीं परीक्षा में शामिल होने वाले थे। परीक्षा को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई थी। 12वीं की विद्यार्थी इशु शाक्य ने कहा कि कोरोना के तीसरी लहर की संभावना को देखते हुए और बच्चों के सुरक्षित रहने के लिए परीक्षा रद करना सही फैसला है, लेकिन ऑनलाइन परीक्षा ली जा सकती है। संजना चौधरी का कहना है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा की दृष्टि से सही फैसला है, लेकिन पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों का नुकसान होगा। ऑनलाइन पढ़ाई हुई है तो ऑनलाइन परीक्षा ली जा सकती थी।

सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा को रद करना बच्चों के हित में सही फैसला है, लेकिन मप्र शासन को बोर्ड के संबंध में निर्णय अपने राज्य की स्थिति को देखकर लेना चाहिए।

अनिल सद्गोपाल, शिक्षाविद

मप्र बोर्ड 12वीं की परीक्षा को लेकर निर्णय आज

मप्र बोर्ड 10वीं की परीक्षा पहले ही रद कर दी गई है। अब 12वीं की परीक्षा को लेकर बुधवार को स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री अधिकारियों के साथ बैठक लेंगे। इसमें तय हो सकता है कि परीक्षा कैसे लेनी है। स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश स्तर पर विचार कर परीक्षा के संबंध में निर्णय लेंगे।सीबीएसई या मप्र बोर्ड किसी में भी 12वीं की परीक्षा को रद नहीं करना चाहिए। जुलाई में भी परीक्षा ली जा सकती थी। इसके आधार पर बच्चों के एडमिशन और कॅरियर की दिशा तय होती है।

एके दीक्षित, शिक्षाविद

एक माह में बिजली बिलों में गड़बड़ी की 5000 से ज्यादा शिकायतें

भोपाल। शहर के 5000 से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं ने बिलों में गड़बड़ी शिकायतें की हैं। ये बिल मई माह में जारी किए थे। बिजली कंपनी ने इनमें से 80 फीसद शिकायतों का निराकरण कर दिया है। बीते साल मई में 15000 शिकायतें आई थीं। जिनकी तुलना में इस बार मई में 67 फीसद कम शिकायतें आई हैं। बिलों में गड़बड़ी को लेकर शिकायतों का यह आंकड़ा विश्वसनीय सूत्रों से मिला है। कंपनी के अधिकारियों ने अधिकृत आंकडे देने से मना किया है।

गड़बड़ी की वजह

बिजली कंपनी मीटर रीडिंग का काम खुद नहीं करती, बल्कि आउटसोर्स एजेंसी के कर्मचारियों से करवाती है। जिनके उपर टारगेट रहता है, जो जल्दबाजी में मीटर रीडिंग लेकर गलत बिल जनरेट करते हैं।मई 2020 में अधिक शिकायतों की वजह लॉकडाउन था, इसलिए शिथिलता थी कि अप्रैल व मई 2019 के बिलों के आधार पर अप्रैल व मई 2020 के बिल दे दिए जाए। इस तरह औसत बिलिंग कर दी थी। जबकि उस समय कोरोना के भय से हजारों परिवार गांव चले गए थे, जिन्होंने आपत्ति दर्ज कराई थी।

अप्रैल में बिना रीडिंग औसत खपत का बिल दिया। बिल जमा नहीं तो मई में दो महीने का एक साथ 11500 रुपये दे दिया। जबकि तीनों कूलर बंद थे। बिल की राशि अधिक है।

- राकेश दीक्षित, भरत नगर, शाहपुरा

मई में नौ हजार रुपये बिल दिया, जो पांच हजार रुपये अधिक है। अभी तक सुधार नहीं हुआ है। हमने तो कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए कूलर, एसी नहीं चलाए।

- डॉ. नागेंद्र ऋषिश्वर, डीके कार्टेज, दानापानी के पास

कितनी शिकायतें आईं, यह बता पानी मुश्किल है। फिर भी बीते साल के मुकाबले कम ही हैं। जो भी शिकायतें आती हैं, उनमें तुरंत सुधार करते हैं। शिकायतों को कम करने के लिए काम कर रहे हैं।

- मनोज द्विवेदी, प्रवक्ता, मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, भोपाल

तीन माह का बिजली बिल माफ करे सरकार - पीसी शर्मा

पूर्व मंत्री व विधायक पीसी शर्मा ने प्रदेश सरकार से उपभोक्ताओं के तीन माह का बिजली बिल माफ करने की मांग की है। उन्होंने इस संदर्भ में मंगलवार को ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को उनके बंगले पर ज्ञापन सौंपा है। वे कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के साथ गए थे। शर्मा ने कहा कि कोरोना कर्फ्यू होने की वजह से पूरे प्रदेश में आम लोगों के रोजमर्रा के कामकाज, मजदूरी, व्यापारिक गतिविधियां, कार्यालय, निजी दफ्तर, दुकाने, शापिंग मॉल, रेस्टारेंट, शादी विवाह, शुभ कार्य, स्कूल, परिवहन सेवा, टैक्सियां, सहित सारे काम-धंधे बंद थे। लोग काम-धंधे छोडकर घरो में थे। कोरोना संक्रमित इलाज करवा रहे थे, जिसमें जमा धनराशि खर्च हो गई। पीसी शर्मा ने ऊर्जा मंत्री से कहा कि आम नागरिकों के दर्द को समझते हुए संपूर्ण बिल माफ करना चाहिए। इस पर ऊर्जा मंत्री की तरफ से उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शिवराज सरकार ने दी राहत

अब 30 जून तक फसल ऋण चुका सकते हैं 25 लाख किसान

भोपाल। शिवराज सरकार ने प्रदेश के लाखों किसानों को एक बार फिर बड़ी राहत देते हुए फसल ऋण चुकाने की अवधि बढ़ा दी है। अब किसान खरीफ 2020 और रबी 2020-21 के अल्पावधि ऋण को 30 जून तक चुका सकते हैं। इस अवधि में ऋण चुकाने पर किसानों को केंद्र सरकार तीन प्रतिशत प्रोत्साहन अनुदान और बैंकों को दो प्रतिशत ब्याज सहायता देगी।प्रदेश में साढ़े चार हजार प्राथमिक सहकारी समितियों के माध्यम से करीब 25 लाख किसानों को खरीफ फसल 2020 और रबी फसल 2020-21 के लिए 14,500 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया था। खरीफ फसलों का ऋण चुकाने के लिए अंतिम तारीख 28 मार्च से दो बार बढ़ाकर 31 मई की गई थी।वहीं, रबी फसलों के लिए कर्ज चुकाने की अंतिम तारीख 15 जून रहती है। कोरोना की दूसरी लहर के कारण लागू कर्फ्यू की स्थिति को देखते हुए नाबार्ड ने ऋण भुगतान की अवधि बढ़ाकर 30 जून कर दी है।इसे देखते हुए राज्य सरकार ने भी किसानों को राहत देते हुए ऋण अदायगी की अंतिम तारीख दोनों फसलों के लिए 30 जून कर दी है। सहकारिता विभाग ने आयुक्त सहकारिता नरेश कुमार पाल को निर्देश दिए हैं कि वे नई व्यवस्था को सहकारी बैंकों में लागू कराएं ताकि संकट की घड़ी में किसानों को राहत मिल सके।

शराबखोरी के आरोप में घिरे कर्मचारी को स्वास्थ्य मंत्री डॉ.प्रभुराम चौधरी ने निकाला

भोपाल । शासकीय वाहन में शराबखोरी का वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल होने के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने अपने कर्मचारी को हटा दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने यह कार्रवाई की। उधर, प्रदेश कांग्रेस के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ट्वीट करके मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस से मामले को संज्ञान में लेने की मांग की है। इंटरनेट मीडिया में शासकीय वाहन में कुछ लोगों पर शराब पीने का आरोप लगाते हुए वीडियो वायरल हुआ था। इसमें तीन लोग बैठे हैं और एक पन्नी से कुछ पीता हुआ नजर आ रहा है। जब स्थानीय लोगों ने शासकीय वाहन में शराब पीने की बात कहते हुए चाबी निकालने की कोशिश की तो वो हाथ झटकते हुए गाड़ी को ले गए।

विश्व तम्बाकू दिवस पर जागरूकता अभियान

गोटेगांव। विगत दिवस-रेलवे हॉस्पिटल नरसिंहपुर एवं रेलवे स्टेशन नरसिंहपुर में डॉ आर आर कुर्रे के मार्गदर्शन पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस का जागरूकता अभियान किया गया डॉक्टर कुर्रे ने बताया कि 31 मई को विश्व भर में तंबाकू से होने वाले दुष्परिणाम की बारे में जागरूकता अभियान किया गया डॉक्टरकुर्रे ने बताया कि तंबाकू के सेवन से मुंह का कैंसर फेफड़ों का कैंसर पैंक्रियास का कैंसर एवं स्त्रियों में प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होता है साथ ही गर्भवती महिलाओं को बच्चे में भी अस्थमा रोग होने का संभावना रहता है तंबाकू से हार्ड अटैक होने के चांसेस बढ़ जाती है लिवर किडनी हृदय रोग होने की संभावना बढ़ जाती है कोविड 19के केस में तंबाकू से फेफ? खराब होने की संभावना बढ़ जाती है अतः हमें तंबाकू का सेवन किसी भी रूप में नहीं करना है डॉ कुर्रे ने सभी कर्मचारियों एवं मरीज को तंबाकू ना लेने का शपथ दिलाया और किसी और को तंबाकू ना लेने के लिए प्रेरित करने के लिए शपथ दिलाया साथ ही संतुलित भोजन योग एवं समय पर इलाज कराने के लिए जानकारी बताया जिससे तंबाकू से होने वाले दुष्परिणाम को समय रहते रोका जा सके।-इस प्रोग्राम में स्टेशन मास्टर संजय सोनकर आरपीएफ के मिस्टर प्रदीप तिवारी जी एवं टेलीकॉम के श्रीवास्तव जी मानसिंह पवन पटेल एवं जीआरपी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोटखेडा के पंचों ने दर्ज कराया सरपँच सचिव के कार्यो का विरोध

तेंदूखेडा/दमोह-जिला दमोह की जनपद पंचायत तेंदूखेडा की ग्राम पंचायत कोटखेडा ,जो की मुख्यालय से तीस किलोमीटर दूर है।सुदूर अंचल में बसी ग्राम पंचायत कोटखेडा जो नोरदेही अभ्यारण्य से सटा होने के कारण अधिकतर संरचना भौगोलिक जंगली ही है।तीन तरफ से घिरी पँचायत कोटखेडा की जनता भोली भाली हैं।इनके उसी भले पन का कुछ शातिर दिमाग वाले फायदा उठा लेते हैं और उनके हिस्से की सरकारी योजनाओं का फायदा पँचायत में बैठी माफिया उठा लेती है।

ग्राम पंचायत कोटखे?ा में कुछइसी तरह का मामला सामने आया है।ग्राम पंचायत के समस्त पन्चो एव ग्रामीणों ने मिलकर सरपँच सचिव पर गम्भीर आरोप लगाए हैं।कल दिनाक1/6/2021को सभी पंचों ने एक लिखित शिकायत तेंदूखेडा जनपद कार्यपालन यंत्री को दी है।शिकायत में लिखा है कि पिछले 6 वर्षों में सचिव द्वारा किये गए कार्यो की जांच की जाए।पन्चो ने कहा कि इस पंचवर्षीय में एक भी ग्राम सभा का आयोजन नही किया गया।

सचिव द्वारा प्रस्ताव पर घर घर जाकर हस्ताक्षर करवाये जाते हैं। पन्चो ने आरोप लगाते हुए कहा कि सचिव द्वारा अधिकतर कार्य कागजो में करके फर्जी तरीके से पेसो को निकाला जाता रहा है।उनके द्वारा किए गए सारे कार्य गुणवत्ता हीन हैं ,किए गए सभी कार्य समय से पहले जर्जर हो गए हैं।सडको के परखच्चे उडे हुए हैं।शौचालय हिले हुए हैं,ना खेत तालाब,।पन्चो ने बताया कि मनरेगा के द्वारा बनाई गई खकरी का भुगतान मजदूरो के खातों में नही बल्कि उनको नगद भुगतान किया गया।

सचिव द्वारा फर्जी खातों को लगाकर बैंकों के जरिए भी भृस्टाचार किया गया है।पन्चो ने पत्रके नाध्यम से सरपँच सचिव द्वारा किए गए सारे कार्यो की जांच करवाने एव पूरी पंचवर्षीय ने खर्च हुए एक एक पेसो का हिसाब मांगा है। जमना प्रसाद, मूरत प्रसाद,कला बाई,बॉल केस सिंह, बारेलाल, अठ्ठू सिंह,मनोहर सिंह,कालू आदिवासी,तुलसी यादव, कमलेश सिंह,टेक सिंह, प्रेम सिंह सभी ने मिलकर सरपँच सचिव पर आरोप लगाते हुए कहा कि पँचायत के कोई भी विकास कार्यों में जनता के द्वारा चुने गए पन्चो से कोई राय मशवरा नही किया गया और ना ही पन्चो के ना किसी कार्य के लिए बुलाया गया।

सभी पन्चो ने मिलकर कहा कि आज तक पँचायत में एक भी बैठक नही हुई है।ओर ना ही ग्राम सभा।सचिव की मनमानी के चलते पँचायत भृस्टाचार की भेंट चढ गई है।सचिव द्वारा किए गए मनमुताबिक कार्यो से ग्राम पंचायत का विकास ओर बुनियाद खोखली हो गयी है। इस मामले में जनपद तेंदूखेडा के सीईओ श्री विनोद कुमार जैन से जानकारी लेने के लिए फोन लगाया तो उन्होंने फोन नही उठाया।

नागरिकों से संपर्क कर वैक्सीन लगवाने कर रहे युवा प्रेरित

गोटेगांव। संपूर्ण विश्व एवं हमारा भारत देश इस समय कोविड-19 वायरस से जूझ रहा है इस वायरस को समाप्त करने के लिए हमारे देश की सरकार संपूर्ण प्रयास कर रही है कि इस महामारी से हमारे नागरिकों को बचाया जा सके इसके लिए जगह जगह पर वैक्सीन लगाने हेतु केंद्र बनाए गए हैं जिसमें इस महामारी से बचने के लिए अभियान में 18 से 45 वर्ष के युवाओं को वैक्सीन लगाना है जिसमें सर्वप्रथम अपना ऑनलाइन पंजीयन कराकर व्यक्ति केंद्र पर जाकर यह व्यक्ति लगवा सकते हैं एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र के हमारे नागरिक कसीधा आधार कार्ड ले जाकर वैक्सीन लगवाएं ऐसा जागरूक अभियान हरदौल वार्ड मैं घर घर जाकर स्थानीय पार्षद श्री गीता शरण विश्वकर्मा एवं युवा साथी लोगों को जागरूक कर रहे हैं जिससे इस वार्ड से नागरिक एवं युवा बड़ी संख्या में उत्कृष्ट विद्यालय में गोटेगांव में पहुंचकर वैक्सीन लगवा रहे हैं इसी हेतु बड़ी संख्या में युवा एवं सभी उम्र के नागरिकों ने पहुंचकर वैक्सीन लगवाई वार्ड वालों को प्रेरित करने के लिए वार्ड के निवर्तमान पार्षद गीता सन विश्वकर्मा ने स्वयं वैक्सीन लगाकर वार्ड वासियों को प्रेरित किया।

पनागर में बाबली और कुओं की सफाई अभियान का शुभारंभ

फ्नागर । जल शक्ति अभियान के तहत पनागर में बाबली और कुओं की सफाई अभियान का शुभारंभ विधायक सुशील तिवारी इंदु ने जल शक्ति अभियान के तहत किया शुभारंभ जल है तो कल है को लेकर पनागर नगर के समस्त बाबली और कुओं की सफाई हुई प्रारंभ जिसमें रीना जैन,आनंद जैन,अंकुर जैन, पूर्व गोवर्धन खेटपाल,सीएमओ शैलेंद्र ओझा, थाना प्रभारी राजेन्द्र सोनी, महामंत्री शैलेंद्र साहू, अन्य लोग उपस्थित रहे है । सीएमओ ओझा ने बताया कि जल है तो कल है को लेकर पनागर नगर के समस्त बाबली और कुओं की सफाई कर सौन्दरीकरण भी किया जावेगा शुभारंभ जल शक्ति अभियान-कैच द रैन कार्यक्रम के तहत वर्षा जल संचयन अभियान देश भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में चलाया जाएगा,इसका नारा होगा जहां भी गिरे और जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें जब आप बचाते हैं पानी, तब आप बचाते हैं जिंदगानी। जल हैं जीवन का अमूल्य धन, इसको बचाओ करो जतन। बूँद-बूँद की बचत से एक बड़ी बचत हो सकती है।

एक दिन सम एक दिन विषम संख्या में खुलेंगी दुकानें

रविवार टोटल लॉकडाउन सोमवार सप्ताहिक बाजार नहीं लगेगी, होटल वाले पार्सल करके देंगे सामान

कुंडम । नगर में तहसील प्रांगण में कोविड-19 की नई गाइडलाइन के विषय में समस्त व्यापारी वरिष्ठ जन गणमान्य नागरिकों की बैठक रखी गई बैठक में कुंडम तहसीलदार प्रदीप गौरव थाना प्रभारी प्रताप मरकाम एवं विधायक प्रतिनिधि कमलेश साहू की अध्यक्षता में शासन की नई गाइडलाइन को तहसीलदार महोदय द्वारा सब को पढ़कर सुनाया गया और सब लोगों को नियम का पालन करने को कहा गया और तहसीलदार द्वारा जो कल से सम और विषम की दुकान खोलने का जो निर्णय लिया गया है उसके अनुसार कुंडम की समस्त दुकानों में ग्राम पंचायत द्वारा सम और विषम संख्या के अनुसार नंबर दुकानों में डाले गए और सुबह 9-00 से शाम 6-00 बजे तक दुकान खोली जाएगी और सभी व्यापारियों को कहा गया कि सबसे पहले सब व्यापारी वैक्सीन लगवाए इसके बाद जितने भी ग्राहक दुकानों में आते हैं उनको भी वैक्सीन लगाने के लिए कहा जा वे सभी व्यापारियों ने एक दूसरे का साथ देने एवं सहयोग देने की बात की गई।

आबकारी विभाग एवं कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में

गोटेगांव। लगातार खबरों का कोई असर नहीं प्रशासन में बैठे जयचंदों के आशीर्वाद से फलफूल रहा जिलेभर में अबैध जहरीली शराब का खुलेआम चल रहा मौत का खेल इस समय तहसील गोटेगांव मुँगवानी थाना अंतर्गत ग्राम बरहटा में 8 से 10 जगह खुल कर बिक रही अवैध जहरीली कच्ची शराब जिसमें मुकेश केबट का कच्ची शराब बिक्री करते हुए कल हुआ वीडियो वायरल एवं इसमें आबकारी विभाग की बहुत बड़ी लापरवाही सामने आ रही है यहाँ पर देशी अंग्रेजी शराब की हो रही दिन रात से सरेआम बिक्री जिसमें बरहटा ठेके के कर्मचारी रीछा निवासी दुर्गेश द्वारा गांव गांव पहुँचाई जाती हैं अवैध शराब ग्राम नोनिया पवन सोनी, शरद मुड़िया, और ग्राम बरहटा में दशरथ ढीमर सहित बहुत से दबंग बाहुबली बेच रहें है अवैध शराब

अब सवाल उठता है क्या जानबूझकर ध्यान नहीं दे रहे आबकारी विभाग के अधिकारी एवं क्षेत्रीय थाना प्रभारी कोरोना का में जनता भगवान भरोसे।

ब्राम्हण समाज ने किया वैचारिक प्रतियोगिता का आयोजन

सिहोरा। अंतर्राष्ट्रीय ब्राम्हण दिवस के अवसर पर ब्राम्हण समाज सिहोरा द्वारा समाज के प्रति रचनात्मकता एंव सास्कृतिक विचारों को विकसित करने के उदेश्य से एक वैचारिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसमे 21 वर्ष से अधिक आयु समूह के ब्राहमण महिला पुरुष भाग लेंगे । समाज के अध्यक्ष राकेश पाठक ने बताया की वर्तमान हालात में ब्राम्हण समाज का योगदान विषय पर आयोजित उक्त प्रतियोगिता को 15 जून तक 250 शब्दों में अपनी अभिव्यक्ति कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों के अलावा समाज के अध्यक्ष मो 7247099909 महामंत्री प्रवीण कुररिया 9425465581 कोषाध्यक्ष के. जी. पाठक 9926344915 मंत्री सुरेन्द्र तिवारी के 9131320105 के वाटसप नम्बर पर ही पूर्ण पता मोबाईल नंबर सहित भेज सकते है इस प्रतियोगिता में कार्यकारिणी के सदस्य हिस्सा नहीं ले सकेंगे। प्रतियोगियों की सर्वश्रेष्ठ रचनाओं का चयन समाज के विद्वान महानुभावो में से चयनित 3 सदस्यीय निर्णायक मंडल द्वारा किया जावेगा। तथा परिणाम की घोषणा इस माह के अंत में समाज की मासिक बैठक में की जायेगी।

ऑड ईवन को लागू कराने प्रशासन उतरा सडको पर

पाटन। जिला कलेक्टर के निर्देश के पालन में आज संपूर्ण बाजार में घूम घूम कर ऑड ईवन के तहत 50दुकानों को बंद कराया गया दुकानदारों को मुनादी के जरिये मास्क और सोशल डिस्टेन्स का पालन कराने के साथ कोरोना की RTPCR जांच के साथ टीकाकरण कराए जाने के निर्देश दिए गए बही तहसील परिसर में भी अधिवक्ताओं के कार्यालय और दस्तावेज लेखक को भी निर्देशित किया गया कि किसी भी स्थिति में एक स्थान पर छह से अधिक लोग एकत्रित न हो बही ऑड ईवन के फार्मूले से व्यापारी में भी असमंजस बना रहा कि किसे दुकान खोलना है और किसे नही पूरी कार्यबाही में तहसीलदार प्रमोद चतुर्वेदी थाना प्रभारी आसिफ इकवाल अपने अमले के साथ उपस्थित रहे।

आज से मंडी में प्रारंभ होगा क्रय विक्रय

बैठक में लिया गया निर्णय

सिहोरा। आज बुधवार से सिहोरा कृषि उपज मंडी में अनाज का क्रय विक्रय शासन की कोविड 19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए प्रारम्भ होगा । उक्ताशय का निर्णय मंडी कार्यालय सिहोरा राकेश चौरसिया तहसीलदार ,राहुल मेश्राम नायब तहसीलदार,श्रीमती रजनी वर्मा मण्डी सचिव एवं लायसेंसी व्यापारीयो ,कर्मचारियों की उपस्थिति में लिया गया । जिसमे सभी कृषक बंधुओ से अपील भी की गई कि कृषक अपनी कृषि उपज के क्रय विक्रय हेतु जिंस उडद,मूंग की नीलामी दिन सोमवार,बुधवार ,शुक्रवार एवं जिंस चना,मसूर,गेहूँ ,बटरी की नीलामी दिन मंगलवार,गुरूवार को कर सकते है , शनिवार रविवार को मण्डी प्रांगण का कार्य बंद रखे जाने एवं प्रतिदिन लगभग 100 कृषकों ही प्रवेश देने के महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये है। सभी व्यापारीबंधु, कृषक बंधुओ ,हम्माल तुलावटीबंधु को तहसीलदार द्वारा जल्द से जल्द वैक्सीन लगवाने की सलाह दी । सभी कृषक बंधुओ से मंडी सचिव ने आज 2 जून से मंडी में उपज लाने की अपील की है ।

सफाई व्यवस्था के साथ किया सैनेटाईजेशन

कटनी। निगम प्रशासन द्वारा नगर की सफाई व्यवस्था के साथ ही कीटनाशक दवा का छिडकाव, सैनेटाइजेशन, डोर टू डोर कचरे का संग्रहरण, अस्पतालों से निकलनें वाले बायोमेडिकल वेस्ट का पृथक वाहनों माध्यम से उठाव कराया जाकर नगर को संक्रमण मुक्त रखनें के प्रयास किये जा रहै। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम प्रशासन द्वारा नगर की सफाई व्यवस्था स्थलों की सफाई के अंतर्गत ट्रासंपोर्ट नगर पुरैनी स्थित थोक सब्जी मंडी स्थल सहित नगर के अन्य सबजी एवं फल विक्रय हेतु चिन्हित स्थलों की साफ सफाई की गयी।

सराफा दुकान खुलवाने ग्रामीण स्वर्णकार समाज के लोगों ने ज्ञापन सौंपा

बघराजी । कोरोनावायरस लॉक डाउन के चलते सर्राफा कारोबार से जुड़े लोगों को वर्षों से बंद दुकानों की वजह से कारीगरों एवं व्यापारियों कोरो जी रोटी का संकट आन पड़ा है ग्रामीण एवं जबलपुर सराफा की दुकाने वर्षों से बंद पड़ी है ग्रामीण क्षेत्र से भी जेवरात बनाने वाले कारीगर शहर आते हैं उसी से उनकी रोजी-रोटी चलती है लंबे समय से यह लोग परेशान हैं ग्रामीण अंचलों और शहरी दुकान है खुलवाने के लिए कर आज जबलपुर मध्य क्षेत्र के विधायक विनय सक्सेना पूर्व मंत्री श्री शरद जैन कांग्रेस नगर अध्यक्ष श्री दिनेश यादव स्वर्णकार सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजा सराफ के साथ स्वर्णकार समाज के जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्री राजेश सोनी श्री बालकृष्ण गुड्डू सोनी श्री पंकज सोनी सहित आज सिटी कोतवाली जबलपुर पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर श्री दीक्षित जी एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री कासवानी जी को ज्ञापन सौंपा।

प्रहलाद पटेल पहुंचे कमोदी,संतोष दुबे की माँ के निधन पर अर्पित की श्रद्धांजलि

गोटेगांव। केंद्रीय संस्कृति मंत्री प्रहलाद पटेल आज गोटेगांव पहुंचे। गोटेगांव प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने कमोदी गांव गए जहां पर बीजेपी नेता जनपद अध्यक्ष संतोष दुबे के निवास पर पहुंचकर उनकी माता के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने संतोष दुबे की माता की फोटो पर माल्यार्पण किया और मृतात्मा को शोक श्रद्धांजलि दी। बीजेपी नेता संतोष दुबे केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल के करीबी माने जाते हैं संतोष दुबे के परिजनों ने भी केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल से मुलाकात की।इस दौरान पूर्व विधायक हाकम सिंह च?ार, राजकुमार जैन, पूर्व मंडल अध्यक्ष निधान सिंह पटेल,पूर्व पार्षद दीपक सोनी बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता भी शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। गौरतलब है कि संतोष दुबे की मां सिया दुबे का कुछ दिन पहले देहावसान हो गया था।

अनलॉक का नहीं दिखा असर जनता कर्फ्यू के जैसा रहा माहौल

सड़कें दुकानें रही सूनी कम पहुंचे ग्राहक

सिहोरा/तमाम बंदिशों के साथ प्रारंभ हुई अनलॉक की प्रक्रिया के बावजूद नगर के व्यवसायिक स्थल सहित बस स्टैंड मैं जनता कर्फ्यू का ही माहौल बना रहा। एक तरफ व्यापारी शासन द्वारा जारी गाइडलाइन से भयभीत है वहीं दूसरी ओर आमजन भी संक्रमण के भय से अपने आप को घरों में कैद रखना ही उचित समझ रहा हैं।

उल्लेखनीय है कि आज 1 जून से अनलॉक की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है किंतु प्रशासन द्वारा जारी ऑड ईवन फॉर्मूला सहित उच्च जोखिम समूह के टीकाकरण व्यापारी सहित कर्मचारियों के टीकाकरण की सुनिश्चित ता नो मास्क नो सर्विस जैसी तमाम बंदिशों के चलते अनेक प्रतिष्ठान अनलॉक नहीं हो सके।।

पिछले करीब डेढ़ महीने से जारी जनता कर्फ्यू के तहत विभिन्न क्षेत्रों के कारोबार पर रोक से छोटे व्यापारियों की बढ़ती मुश्किलों के मद्देनजर प्रदेश को चरणबद्ध तरीके से अनलॉक करने की जरूरत को देखते हुए अनलॉक की प्रक्रिया को प्रारंभ तो किया गया किंतु तमाम बंदिशों के चलते बाजार पूरी तरह नहीं खुल सके। पिछले डेढ़ महीने से कारोबार बंद होने के कारण प्रदेश के लाखों छोटे व्यापारियों की आर्थिक समस्याएं बड गई है। सरकार से आग्रह किया है कि कोरोना की रोकथाम के साथ व्यापार को भी जीवित रखना जरूरी है। व्यापारी लॉकडाउन से मानसिक तौर पर बीमार हो रहे हैं। यह देखते हुए व्यापारियों के हित में कदम उठाने की जरूरत है।

यात्री परिवहन पर भी रहा असर

आवागमन में मिली रियायत के बावजूद यात्री परिवहन पर भी अनलॉक का कोई असर दिखाई नहीं दिया जबलपुर कटनी जैसे प्रमुख मार्गों की बसों में इक्का-दुक्का सवारी ही आवागमन करते नजर आए वहीं ग्रामीण क्षेत्र की चंद बसे ही संचालित हो सकी । सुबह किराना सहित कुछ दुकानों पर चहल पहल दिखने के बाद दोपहर से व्यवसायिक स्थल सूने पड़े रहे शाम 6 बजे प्रशासन की सायरन बजाती गाड़ियों के साथ पैदल निकले एसडीएम जे पी यादव,तहसीलदार राकेश चौरसिया, सीएमओ जयश्री चौहान, थाना प्रभारी गीरीश धुर्वे आदि ने एक बार फिर बाजार को लॉक करा दिया ।

ऑनलाइन शिक्षण ऑफलाइन जैसी ही प्रभावी .लीड के 20,000 स्टूडेंट्स के डाटा से हुई पुष्टि

मुंबई । शैक्षणिक वर्ष 2019.20 और कोविड के बाद के वर्ष 2020 के बीच 20, 000 स्टूडेंट्स के शैक्षणिक प्रदर्शन के अनुभवजन्य विश्लेषण से पता चला है कि ऑनलाइन पढ़ाईए ऑफ्लाइन पढ़ाई जितनी ही प्रभावी है। एडटेक कंपनी लीड द्वारा किए गए इस विश्लेषण से यह संकेत भी मिलता है कि ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान जिन स्टूडेंट्स की उपस्थिति 80ः से ज्यादा रहीए उन्होंने अनियमित उपस्थिति वाले स्टूडेंट्स से 45ः ज्यादा अंक अर्जित किये।यह परिणाम ऑनलाइन कक्षाओं में पढ़ाई की क्षमता के मामले में पैरेंट्स की शंकाओं को दूर करते हैं। मार्च 2020 से स्कूल बंद होने के बाद यह भारत में देखा गया न्यू नॉर्मल था।शैक्षणिक वर्ष 2019.2020 और 2020.2021 के लिये साल के मध्य और अंत का मूल?यांकन यह संकेत भी देता है कि ऑनलाइन स्कूलिंग ने ऑफ्लाइन मोड की तरह भाषा.प्रवाह और संख्या बनाये रखी है। मुख्य विषयों, अंग्रेजी और गणित के लियेए जिन स्टूडेंट्स ने शैक्षणिक वर्ष 19.20 में क्रमशरू 79ः और 77ः अंक अर्जित किये थे, उनहोंने ही शैक्षणिक वर्ष 20.21 में दोनो विषयों में 75ः अंक पाए। यह पैटर्न छमाही परीक्षाओं और प्री.प्राइमरी, प्राइमरी और सेकंडरी ग्रेड्स में देखा गयाए जो संकेत देता है कि जब तक कि स्कूल सुरक्षित तरीके से दोबारा नहीं खुलते हैंए टेक्नोलॉजी के सही इस्तेमालए शिक्षकों के प्रशिक्षण और अच्छी संरचना वाले पाठ्यक्रम से बच्चों को अच्छी गुणवत्ता की पढ़ाई मिल सकती है।यह परिणाम पेरेंट्स को बड़ी राहत देने वाले हैंए क्योंकि उनमें से 85ः ने पिछले साल लीड द्वारा किये गये 5,000 पेरेंट्स के सर्वे में अपने बच्चे के भविष्य पर चिंता व्यक्त की थी।

पैरीवेयर ने नये डिजिटल प्लेटफार्म कैम्पेन से उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक खरीदारी अनुभव को और मजबूत किया

एजेंसी। पैरीवेयर भारत में सैनिटरीवेयर प्रोडक्ट्स का सबसे बड़ा उत्पादक ब्राण्ड है। उसने कोविड.19 महामारी के बीच उपभोक्ताओं को खरीदारी का अबाध और स्पर्शरहित अनुभव देने के लिये अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ष्पैरीवेयर सेफबाइष् के माध्यम से अपने उत्पादों की खरीद ज्यादा आसान बनाकर अपनी पैठ को और मजबूती दी है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म पेरीवेयर के उत्पादों को खोजनेए उनका उपभोग करने और उन्हें खरीदने, सर्विस और मरम्मत से जुड़े सवालों के लिये प्लम्बिंग टेक्निशियंस को बुक करनेए और अपने घर या कार्यस्थल से सुविधा के साथ नजदीकी रिटेल पार्टनर्स और उत्पाद विशेषज्ञों से जुड़ने में यूजर्स की सहायता करता है। पिछले साल लॉन्च हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पेरीवेयर सेफ्बाय का लक्ष्य है बाथरूम से जुड़ी सभी चिंताओं को दूर करने के लिये खरीदारी के सबसे सुविधाजनक अनुभव के साथ स्पर्श.रहित और सामयिक समाधान प्रदान करना।इस प्लेटफॅर्म पर जागरूकता निर्मित करने के लिये पैरीवेयर ने हाल ही में मार्केटिंग कैम्पेन लॉन्च किया हैए जो दिखाता है कि पैरीवेयर सेफबाइ किस तरह खरीदारी का सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक अनुभव देता है। यह टैप से लेकर पॉट तकए यह सूचना भी देता है कि पैरीवेयर के पास उत्पादों और पीओटी . प्रोडक्ट्स, आउटलेट्स और टेक्निशियंस की संपूर्ण श्रृंखला है, जो आपकी उंगली के एक इशारे पर उपलब्ध होगी।उपभोक्ता बड़ी संख्या में तकनीक के जानकार बन रहे हैंए इसे देखते हुए कंपनी का लक्ष्य है उपभोक्ताओं को ब्राण्ड का बेहतर अनुभव देनाए जो ऑनलाइन और ऑफ्लाइन टचपॉइंट्स को आसानी से एकीकृत करता हो। इसके लियेए यह प्लेटफॉर्म यूजर्स को भारत में पैरीवेयर के 10000 से ज्यादा आधिकारिक रिटेल पार्टनर्स और 25000 से ज्यादा प्रशिक्षित प्लम्बर्स और टेक्निशियंस के साथ बिना बाधा के जोड़ता है। इसके अलावाए यूजर्स को ऐसे बाथरूम कॉम्बिनेशंस खोजने की सुविधा देता हैए जिन्हें विशेष रूप से सभी मूल्यों के लिये बनाया गया है . 6000 रूपये से लेकर 1.3 लाख रूपये तक में। यह कॉम्बो उन विश्लेषणों और लोकप्रिय मॉडल्स के इस्तेमाल से विकसित किये गये हैंए जिन्हें ग्राहकों ने विगत समय में पसंद किया है।पेरीवेयर सेफबाय प्लेटफॉर्म पर टिप्पणी करते हुएए रोका पैरीवेयर के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री के.ई. रंगनाथन ने कहा किए श्पेरीवेयर में हम ऐसे खोजपरक समाधान प्रदान करने की कोशिश करते हैंए जो आसानए सुरक्षित और त्वरित हों।

सूचना

यशभारत समाचार पत्र में प्रकाशित हाने वाले विविध विज्ञापनों के लेखों की जांच पड़ताल करने के बाद ही पाठक इस संबंध में आर्थिक व्यवहार करें, विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापनदाता जो दावे पेश करते हैं, उनकी जवाबदारी, यशभारत समाचार पत्र नहीं देता, विज्ञापन में किये गये दावों की पूर्ति अगर विज्ञापनदाताओं द्वारा नहीं की जाती है तो उसके परिणाम के लिए यशभारत समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं रहेगा।

पार की बोल्डनेस की सारी हदें

टॉपलेस फोटो शेयर कर बढ़ाया इंटनेट का पारा

प्रिया प्रकाश सोशल प्लेटफॉर्म पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन उनके लेटेस्ट वीडियोज और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। इसी बीच प्रिया प्रकाश कुछ बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

नई दिल्ली।विंक गर्ल प्रिया प्रकाश वारियर आज करोड़ों दिलों की धड़कन हैं। रातों रात सोशल मीडिया सेंसेशन बनने वाली प्रिया प्रकाश के महज? कुछ ही सेकेंड के आंख मारने वाले वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। प्रिया प्रकाश सोशल प्लेटफॉर्म पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन उनके लेटेस्ट वीडियोज और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। इसी बीच प्रिया प्रकाश कुछ बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। पहली बार एक्ट्रेस की इतनी बोल्ड तस्वीर सामने आई है। इन तस्वीरों ने इंटरनेट पर आग लगा रखी है।प्रिया प्रकाश वारियर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी अबतक की सबसे बोल्ड तस्वीर शेयर की है। इन तस्वीरों प्रिया प्रकाश वारियर टॉपलेस नजर आ रही हैं। वहीं फोटोज में आप देख सकते हैं कि प्रिया के बाल उनके चेहरे पर बिचारे नजर आ रहे हैं जो उनके इस लुक को और भी कातिल बना रहा है। वहीं उनका पोज देने का अंदज उनके फैंस को काफी पंसद आ रहा है। इन तस्वीरों को एक्ट्रेस के फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर हार्ट, फायर इमोजी बनाकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। अबतक इन तस्वीरों को हजारों बार देखा जा चुका है।आपको बता दें कि बीतें दिनों प्रिया प्रकाश वारियर अपनी आने वा?ली तेलुगू फिल्म %क्रैक% को लेकर काफी सुर्खियों में रहीं हैं। वह इसी फिल्म के साथ ही तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। इस मूवी में वह एक्टर नितिन के साथ नजर आएंगी। बीते दिनों उनकी %क्रैक% फिल्म की शूटिंग का एक वीडियो सामने आया था। इस वीडियो में प्रिया %क्रैक% फिल्म के गाने की शूटिंग कर रहीं थीं। वह इस वीडियो में भागते हुए आती हैं और नितिन की पीठ पर चढ़ जाती हैं कि तभी उनके साथ हादसा हो जाता है। दरअसल, जब वह दौड़कर नितिन की पीठ पर चढ़ रही होती हैं तो वह उनको पकड़ नहीं पाते हैं। इसकी वजह से प्रिया प्रकाश वारियर भी अपना बैलेंस खो देती हैं और जीमन पर गिर जाती हैं।इस वीडियो को प्रिया प्रकाश ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया था। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था, यह जिंदगी किस तरह से मुझे धराशायी करती है, उसकी एक झलक है, और मैं हर बार खड़ी होती हूं और पूरे भरोसे के साथ आगे बढ़ती हूं।

दिल्ली के एक रेस्तरां ने अपने मलाई चाप डिश का नाम सनी और मिया खलीफा के नाम पर रख दिया है। सोशल मीडिया के जरिए अब यह खबर सनी लियोनी तक भी पहुंच गई है और उन्होंने इसकी एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है।

नई दिल्ली। सनी लियोनी सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं उनकी फैनफॉलोइंग भी जबरदस्त है। सनी को लोग सिर्फ पर्दे पर ही नहीं बल्कि रियल लाइफ में भी पसंद करते हैं। हाल ही में सनी ने सोशल मीडिया पर एक ऐसी फोटो शेयर की जिस से आप को उनकी लोकप्रियता का अंदाजा हो जाएगा।

यहां मिल रहा है सनी लियोनी चाप

हाल ही में एक खबर तेजी से वायरल हो रही है कि दिल्ली के एक रेस्तरां ने अपने मलाई चाप डिश का नाम सनी और मिया खलीफा के नाम पर रख दिया है। सोशल मीडिया के जरिए अब यह खबर सनी लियोनी तक भी पहुंच गई है और उन्होंने इसकी एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। इसके साथ-साथ सनी ने इसपर मजेदार रिएक्शन भी दिया है।

दरअसल, सनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर की है. जिसमें दिल्ली की एक दुकान के बोर्ड की तस्वीर नजर आ रही है। यदि आप भी बोर्ड पर लिखा मेन्यू पढ़ेगे तो

सनी लियोनी और मिया खलीफा के नाम पर बिक रही है मलाई चाप, एक्ट्रेस का रिएक्शन

शायद हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाएं। तस्वीर में आप डिशेज के नाम देख सकते हैं जिनमें सनी लियोनी चाप, बेबी डॉल चाप और मिया खलीफा चाप नजर लिखे नजर आ रहे हैं। वहीं सनी ने भी इसपर मजेदार कमेंट किया है। उन्होंने लिखा - %स्हरू%

इतनी पॉपुलर हैं सनी

सनी लियोनी की पॉप्युलैरिटी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंस्टाग्राम पर उनके 4.5 करोड़ से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। सनी लियोनी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और तस्वीरें पोस्ट करने के तुरंत बाद वायरल भी हो जाती हैं।

सनी का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो पिछली बार सनी लियोनी वेब सीरीज %बुलेट्स% में नजर आई थीं। जिसमें उनके साथ करिश्मा तन्ना लीड रोल में थीं। अब सनी लियोनी जल्द ही %शेरो% में नजर आएंगी। इसके अलावा वह एक अन्य वेब सीरीज %अनामिका% में भी नजर आएंगी जिसका डायरेक्शन विक्रम भट्ट कर रहे हैं।

फोटोशूट के लिए टॉपलेस उतरन की इच्छा

नई दिल्ली। टीवी सीरियल उतरन की एक्ट्रेस टीना दत्ता को उनके फैन्स एक संस्कारी बहू के रूप में जानते हैं। वो पर्दे पर बेहद ही क्यूट अंदाज से लोगों को दीवाना बना लेती हैं, पर लगता टीना अपनी यहीं इंमेज तोड़ना चाहती हैं वो। क्यों कि वो एक के बाद एक अपनी हॉट फोटोज शेयर कर रही हैं। फिलहाल इनकी एक एक फोटो ने तहलका मचा दिया है।

वायरल हो रही है टीना दत्ता की टॉपलेस फोटो

टीना का ग्लैमरस अवतार उनके फैंस को बहुत पसंद आता है। जिसकी वजह से उनकी तरह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं। टीना ने हाल ही में टॉपलेस फोटोशूट कराया है जो फोटोज उनके फैंस को बहुत पसंद आ रही हैं। टीना के ये टॉपलेस फोटोज वायरल हो रही हैं।

शेयर की थी बोल्ड तस्वीर

टीना ने कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर की थीं। जो फैंस को बहुत पसंद आई थीं। इन तस्वीरों में टीना ने गोल्डन कलर का थाई हाई स्लिट गाउन पहना हुआ था. उनके इस लुक ने फैंस का दिल जीत लिया था. वर्कफ्रंट की बात करें तो टीना दत्ता आखिरी बार रिएलिटी शो बिग बॉस 14 में नजर आईं थी।

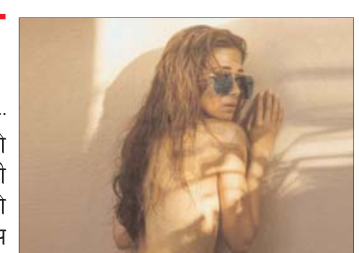

शिकायत तो नहीं होगी अगर मैं थोड़ी गरमी बढ़ा दूं?

टीना फोटोज में पूरा तरह से टॉपलेस हैं। टीना ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा- अगर मैंने तापमान बढ़ा दिया हो? मुझे लगता है नया महीना नए चेंज डिसर्व करता है। यह फोटो एडिटिड की गई थी लेकिन अगर आप अपनी स्किन में सहज महसूस करते हैं तो यह ओके है। एक बात ध्यान रखो जिस चीज में आप सहज महसूस करते हैं वो करिए बाकी किसी के बारे में सोचते हुए। टीना ने आगे लिखा- कोई शिकायत तो नहीं होगी अगर मैं थोड़ी गरमी बढ़ा दूं? जून के महीने में टीना दत्ता का ये ताजा फोटोशूट वाकई में फैंस के पसीने छुड़ा रहा है। कॉमेंट बॉक्स में ढेरों फैंस टीना के इस नए अवतार की तारीफें कर रहे हैं। पवित्रा पुनिया ने कमेंट किया- वाओ इंटरनेशनल टिन टिन। वहीं उनके फैंस फोटोज देखकर फायर इमोजी पोस्ट कर रहे हैं।

सारा अली खान के वर्कफ्रंट पर बात करें तो वह जल्द ही अतरंगी रे में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और साउथ सुपरस्टार धनुष भी हैं। फिल्म के डायरेक्टर आनंद एल रॉय हैं। मूवी की शूटिंग बीते दिनों पूरी हुई है।

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म %अतरंगी रे% को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। एक्टिंग के अलावा सारा अली खान सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। लेकिन बीते कुछ वक्त से सारा ने अपनी कोई तस्वीर सोशल प्लेटफॉर्म पर अपडेट नहीं की थी। लंबे वक्त के बाद सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक प्यारी फोटो शेयर की हैं। उनकी तस्वीर देख फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं एक्ट्रेस की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

फैंस बोले- माशा अल्लाह....

सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक प्यारी फोटो शेयर की हैं। इस तस्वीर में सारा बहुत ही सिंपल नजर आ रही हैं। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि सारा लाइट्स के पास एक लकड़ी के पोल को पकड़कर फोटो क्लिक कराती दिख रही हैं। वहीं उनके हाथ में कई अलग अलग तरह की मोतियों का ब्रेसलेट है। फोटो शेयर करते हुए सारा ने मार्टिन लूथर किंग जूनियर द्वारा रचित कविता की कुछ लाइन्स शेयर की हैं।वह कैप्शन में लिखती हैं, अंधेरा, अंधकार को दूर नहीं किया जा सकता है- केवल प्रकाश से ही ऐसा किया जा सकता है, नफरत से नफरत को नहीं हटाया जा सकता है, केवल प्यार से ही ऐसा किया जा सकता है।आपको बता दें कि इससे पहले ईद के मोक पर फैंस को मुबारकबाद दी थी। सारा अली खान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में वह अपने भाई इब्राहिम अली खान को गले लगाती नजर आईं थीं। फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था, 'सभी को ईद मुबारक, हम इस ईद पर सभी के लिए खुशीयां, पॉजिटिवी और सुरक्षा की प्रार्थना करते हैं। इंशाल्लाह आगे आने वाला टाइम हम सभी के लिए बेहतर हो।' सारा अली खान के वर्कफ्रंट पर बात करें तो वह जल्द ही %अतरंगी रे% में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और साउथ सुपरस्टार धनुष भी हैं। फिल्म के डायरेक्टर आनंद एल रॉय हैं। मूवी की शूटिंग बीते दिनों पूरी हुई है। इसे इसी साल अगस्त में रिलीज करने की तैयारी है।

संयम रखें, पुराने दिन जल्द आएंगे- कलेक्टर

जबलपुर। एक बुरा दौर निकल गया है हमने बहुत कठिन परिस्थितियों का सामना किया है लेकिन जनता के सहयोग से अब हम धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। यह कहना है जबलपुर कलेक्टर कर्मवीर शर्मा का जो यश भारत प्राइम टाइम विथ आशीष शुक्ला में बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कोरोना काल के दौरान सामने आई चुनौतियों और उस के बाद प्रशासन की प्राथमिकताओं के साथ-साथ आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।

वह दौर बहुत कठिन था

प्राइम टाइम में चर्चा करते हुए कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने बताया कि अप्रैल माह में संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा था। हमने तैयारियां तो करके रखी थी लेकिन मामले इतनी तेजी से आ रहे थे कि उन्हें संभाल पाना कठिन था। लेकिन उसके बाद भी हमने परिस्थितियों को नियंत्रण में रखा उन्होंने बताया कि पहली वेब में जहां हमारे पास लगभग साढे 700 ऑक्सीजन बेड थे। वहीं दूसरी लहर में हमने 3000 ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था करके रखी, इसके साथ ही नए कोविद सेंट्रो का निर्माण किया गया, जिसमें नई सुविधाओं के साथ ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था की गई ।साथ ही जन सहयोग से पूर्वी मध्य प्रदेश के सबसे बड़े कोविद केयर सेंटर रानी दुर्गावती केयर सेंटर का निर्माण किया जहां 500 मरीजों के उपचार की क्षमता है।

नया मॉडल तैयार

कोरोना शहरी क्षेत्रों के साथ इस बार साथ-साथ इस बार कोरोना ने ग्रामीण क्षेत्रों में भी जमकर कहर मचाया है। इसको लेकर कलेक्टर ने बताया कि हमारे द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किल

यश भारत प्राइम टाइम विथ आशीष शुक्ला में जबलपुर कलेक्टर कर्मवीर शर्मा से चर्चा

कोरोना अभियान चलाया गया जो प्रदेश सरकार के निर्देश पर संचालित हुआ। लेकिन इसमें हमने 3 नए आयाम जोड़े जिससे हम सब लोगों तक पहुंचने में सफल रहे। अभियान के दौरान हमने सर्वे का काम पहले ही शुरू कर दिया था, उसके बाद हमने जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर पर क्राइसिस मैनेजमेंट की टीम तैयार की और सबसे बड़ी बात मॉनिटरिंग का काम जिला, जनपद और पंचायत स्तर पर हुआ, जिससे हम हर व्यक्ति तक पहुंच सके। जिसका असर यह हुआ कि ग्रामीण क्षेत्रों में काफी हद तक कोरोना पर नियंत्रण पा लिया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि शहरों की तुलना में गांव की स्थिति ठीक है शहर में अभी भी केस आ रहे हैं लोगों को सतर्कता और धैर्य से काम लेना होगा।

शाम 7 बजे
www.facebook.com
http://yashbharat.blogspot.com

तैयारी पूरी है

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा द्वारा तीसरी लहर पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि यह लहर कब आएगी वह इतनी व्यापक होगी इसका जवाब तो वैज्ञानिक और डॉक्टर ही दे सकते हैं। लेकिन हमारे द्वारा इस लहर के कयासों को देखते हुए तैयारी व्यापक स्तर पर की जा रही है। जैसा कि कहा जा रहा है कि यह लहर बच्चों को प्रभावित करेगी इसको देखते हुए हमने बच्चों के डॉक्टर से विमर्श कर उनके उपचार में आने वाले आवश्यक उपकरणों व पलग की व्यवस्था शुरू कर दी है साथ ही नर्सिंग स्टाफ को भी ट्रेनिंग दी जा रही है। वही वैक्सीनेशन के विषय पर उन्होंने कहा कि जिले में वैक्सीनेशन का काम तेजी से चल रहा है 45 प्लस की आबादी वाले लगभग 46त्न लोगों को टीके का एक डोज लग चुका है वही 18 प्लस की कैटेगरी में लगभग 9त्न टीके लगाए जा चुके हैं। जिससे आने वाले समय में और तेजी से लगाया जाएगा साथी सैंटरो की संख्या बढ़ाकर उनकी व्यवस्थाओं में सुधार भी किया जा रहा है।

सबको मिलेगी राहत

कलेक्टर द्वारा कोरोना के मामलों में आई गिरावट के लिए जनता के सहयोग का धन्यवाद दिया। साथ ही उनसे आवाहन किया कि अभी कुछ दिन और सतर्कता और संयम से काम लें क्योंकि अभी भी लगभग 100 मामले प्रतिदिन आ रहे हैं और यदि हमने सतर्कता नहीं बरती तो हम फिर से पुरानी स्थिति में लौट आएंगे। उन्होंने आवाहन किया कि हमारे द्वारा दिखाया गया संयम हमें आने वाले समय में राहत देगा साथ ही धीरे धीरे सभी गतिविधियों को खोलने का मौका भी देगा। यदि जरा भी लापरवाही की तो हम फिर पुरानी स्थिति में आ जाएंगे।

फुहारा के बाद सदर व्यापारी दुकान खोलने को लेकर लामबंद

मदिरा बेचने वालों का करेंगे विरोध

जबलपुर,यशभारत। 1 जून से जबलपुर अनलॉक तो हो गया है, परंतु कोरोना गाइडलाइन के अनुसार जिन दुकानों को खोलने का आदेश नहीं हैं, उसको लेकर शहर के व्यापारियों में भारी आक्रोश है। जिसके चलते आज बुधवार की सुबह सदर शराब दुकान के सामने व्यापारियों ने एकत्रित होकर पुलिस-प्रशासन का खुलकर विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान गाइडलाइन के पालन को लेकर कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं में तीखी बहस के बाद झड़प हो गयी। मालूम हो कि मंगलवार को फुहारा में कपड़ा व सराफा व्यापारियों ने दुकान खोलने की जिद लेकर विरोध किया था। इसके बाद आज बुधवार को सदर में भी दुकान खोलने को लेकर व्यापारी लामबंद हो गए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए स?क पर उतर आए। जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन प्रेम दुबे व पदाधिकारियों ने सदर व्यापारियों का समर्थन किया। साथ ही दुकानें खोलने के लिए प्रशासन से अपील की। इधर इसकी जानकारी जब केंट उपाध्यक्ष और कांग्रेस नेता चिंटू चौकसे को लगी तो वह अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और व्यापारियों का समर्थन किया। इसी दौरान कांग्रेस नेता और व्यापारियों ने क्षेत्र की शराब दुकान के सामने धरना-प्रदर्शन कर विरोध जताया।

कार्यकर्ताओं में हुई तीखी झड़प

जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स ने किया विरोध- जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन प्रेम दुबे का कहना है कि मध्यप्रदेश सरकार राजस्व ब?ाने के लिए शराब दुकानें खोल दी गई हैं, लेकिन अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हैं। इसकी वजह से व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पक्षपात रवैये को लेकर जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स अब शहर की समस्त मदिरा दुकानों के सामने धरना-प्रदर्शन कर, विरोध जताएगा।

व्यापारियों को दी समझाइश- वहीं व्यापारियों के प्रदर्शन के बाद सदर पहुंचे क्षेत्रीय विधायक अशोक रोहाणी ने समझाइश देकर मामला शांत कराया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि व्यापारियों के बीच बहस हुई है, मेरी किसी से कोई बातचीत नहीं हुई। व्यापारियों की बात को हमने प्रभारी मंत्री तक पहुंचा दी हैं। जल्द ही इसमें कोई सकारात्मक निर्णय होगा। **फोटो- अशोक बर्मन**

व्यापारी धैर्य रखें, गाइडलाइन के अनुसार ही खुलेंगी दुकानें

व्यापारियों के विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों को समझाइश दी। इस दौरान व्यापारियों का कहना है कि गाइडलाइन के अनुसार जो दुकानें बंद है, वह सामान्य दिनों की भांति ही खोली जाएं। लेकिन पुलिस ने कलेक्टर के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि व्यापारी धैर्य रखें, जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी।

शनैः शनैः खुलेगा तो सब रहेंगे सुरक्षित

जबलपुर, यश भारत। 1 जून से शुरू हुई अनलॉक की प्रक्रिया के बाद शासन द्वारा लगभग आधे ट्रेड को खोलने का निर्णय लिया है। उसके बाद से जिन व्यापारिक गतिविधियों को अभी अनलॉक नहीं किया गया है उसमें सबसे मुख्य है, प्रमुख बाजार क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियां व दुकानें।

इस पूरी रस्साकशी के बीच एक सबसे महत्वपूर्ण बात जो सामने आई है वह यह है कि प्रशासन द्वारा जब अनलॉक करने की कार्य योजना तैयार की गई तो उस दौरान सभी जिम्मेदार लोगों को इसकी जानकारी दी गई थी और क्रमबद्ध तरीके से बाजार खोलने पर सहमति बनी है।

आवागमन बढ़ेगा

प्रशासन द्वारा पहले चरण में जिन व्यापारिक गतिविधियों को छूट दी है वे आवश्यक श्रेणी की गतिविधियां है या फिर निर्माण क्षेत्र की गतिविधियां ।जिनमें वहां के क्षेत्रीय लोग ही सहभागी होते हैं वही मुख्य बाजार क्षेत्र की गतिविधियां शहर के बाहरी क्षेत्रों व ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों द्वारा संचालित होती हैं ।इस कारण प्रशासन ने प्रथम चरण में यहाँ छूट देने का निर्णय नहीं लिया था। क्योंकि जब मुख्य बाजार क्षेत्र खुलेगा तो ग्रामीण क्षेत्रों व उपनगरी क्षेत्रों से भी लोग बाजार में आएंगे ऐसे में आवागमन बढ़ने से संक्रमण बढ़ने का खतरा बना रहेगा।

फुहारा क्षेत्र में आधी खुली दुकानें

प्रशासन द्वारा मुख्य बाजार क्षेत्र में बाजार न खुलने के आदेश के बाद व्यापारियों द्वारा बुधवार को आधी शटर खोलकर व्यापार प्रारंभ कर दिया है। जिसे देखते हुए क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। व्यापारियों का कहना है कि 50 दिन से उनका व्यापार बंद पड़ा हुआ है और शादियों का सीजन खत्म होने को है । आने वाले 15 दिनों में ही बिक्री का मौका मिलेगा उसके बाद व्यापार ठंडा पड़ जाएगा । प्रशासन द्वारा भी सभी को आश्वासन दिया जा रहा है धीरे-धीरे सभी गतिविधियां प्रारंभ

हो जाएगी। व्यापारियों के आर्थिक संकट को समझा जा सकता है लेकिन पिछले दिनों कोरोना से जो हाहाकार मचा था उसे भी भूला नहीं जा सकता इसलिए संक्रमण की चैन तोड़ने के लिए थोड़ी सख्ती तो सहनी ही पड़ेगी।

फोटो- अशोक बर्मन

व्यापारियों से कलेक्टर की मार्मिक अपील

प्रिय व्यापारी बंधु

आपकी भावनाओ को हम पूरी तरह से समझते है। परंतु आप भी जानते है कि कोरोना अभी खत्म नही हुआ है। अभी भी शहर मे 1100 केस एक्टिव है 500 से अधिक अस्पताल मे भर्ती है प्रति दिन 90 लोग पॉजिटिव आ रहे है। बाजार एक साथ पूरा नही खोला जा सकता । संक्रमण की चेन टूटती रहे इसके लिए धीरे धीरे खोलना उचित होगा अन्य स्थानों पर भी यही किया जा रहा है । आदेश मे लिखा भी गया है कि पुर्विचार किया जावेगा। परन्तु उसके लिए टाइम लगता है और प्रोसेस है हमे उसका पालन करना जरूरी होता है। इस फेस मै आधा ट्रेड खोले जा चुके है।आपकी भावनाओं और वस्तुस्थिति पर पूर्ण संवेदना के साथ विचार किया जा रहा है पर कुछ दिन धैर्य रखना समय की मांग है। यदि एक साथ पूरा खोल दिया और संक्रमण फैला तो शहर का आम जन संक्रमित हुआ तो वो आपको और हमे माफ नही करेगा। कुछ दिन और धैर्य रखे। आगे सब ठीक होगा और शहर के हित मैं होगा।

कर्मवीर शर्मा, कलेक्टर
-जबलपुर

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier
Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010

एफसीआई के बाद अब प्रदेश शासन की गोदामें भी खाली

निजी गोदामों पर लगे ताले,पहले भरो सरकारी गोदाम

2 माह बाद नींद से जागा वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन दो माह बाद आई अपनी खाली पड़ी गोदामों की याद

जबलपुर, यश भारत। मंगलवार के अंक में समाचार प्रकाशित किया गया था कि किस तरह ट्रांसपोर्टर अपनी मनमर्जी से प्राथमिकता सूची कि गोदामों को छोड़कर जेबीएस यानि कि निजी अनुबंधित गोदामों को प्राथमिकता से भर रहे हैं। जिसके बाद बुधवार को मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन ने कार्यवाही करते हुए जेबीएस स्कीम की गोदामों में ताला लगा दिया है । अब ट्रांसपोर्टर को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह सबसे पहले उनकी सरकारी गोदामों को भरें उसके बाद दूसरी निजी गोदामों में भंडारण होगा ।

गौरतलब है कि ठेकेदार द्वारा फूड कॉरपोरेशन ऑफइंडिया की गोदाम के साथ- साथ एमपी वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन की रिछाई, मंडी और सिहोरा स्थित गोदाम को छोड़कर बाकी गोदामों में भंडारण का कार्य किया जा रहा था।

पहले नहीं ली सुध

वेयरहाउसिंग के अधिकारियों को 2 माह पूर्व से ज्ञात था कि ट्रांसपोर्टर द्वारा प्राथमिकता सूची को दरकिनार करते हुए गोलमाल करके जेबीएस कि गोदामों को भरा जा रहा है साथ ही साथ ओपन कैप व सायलो बैग में भी भंडारण का काम चल रहा है जबकि उनकी प्राथमिकता शासकीय गोदामों के बाद आती हैं। उसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी पत्राचार करके खानापूर्ति करते रहे वहीं मंगलवार को यश भारत द्वारा कच्चा चिट्ठा उजागर करने के बाद कड़ी कार्रवाई करते हुए

यह गोदाम है खाली

रिछाई केंद्र	25000 क्विंटल
मंडी केंद्र	20000 क्विंटल
सिहोरा केंद्र	15000 क्विंटल

वेयरहाउसिंग के अधिकारियों द्वारा निजी गोदामों में ताले लगा दिए गए । यदि यह कार्य पहले होता तो शासकीय पैसों की बर्बादी रुक जाती। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला अब कलेक्टर के संज्ञान में भी पहुंच चुका है और वे भी परतदर परत इस मामले की जानकारी ले रहे है साथ ही क्रासमूवमेंट व मनमाफिक हुई मेपिंग की भी जांच के बाद सामने आ रही है।

जिला विपणन संघ तथा ट्रांसपोर्टर को कई बार लिखित रूप से व मौखिक रूप से शासकीय गोदामों के भंडारण के लिए कहा गया था लेकिन उनके द्वारा शासकीय गोदामों को छोड़कर जेबीएस की गोदामें भरी जा रही थी जिसके बाद आज से जेबीएस की गोदाम भण्डारण पर रोक लगा दी गई है।

अतुल सरोठे
जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन, जबलपुर

Pure & Tasty AK'S Special Jabalpur
मो. 9827681910
गर्मी के मौसम में स्पेशल सत्तू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार अजित कुमार
गुलाबी चना मुरमुरा
बोल्ड चना केला चिप्स
बोल्ड पीनट मसाला चना
ड्राय मेल चना जौर गर्म
प्रियदर्शनी एवं सेवा केन्द्र मढ़ाताल में उपलब्ध
ब्रांच-अशोक कुमार, अजित कुमार पुराना लेबर कोर्ट, नर्मदा रोड, गोरखपुर, जबलपुर

ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति ||जय बाबा मसान|| ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति ॐ शांति
"आपका साथी" एवं सम्पूर्ण समाधान मृत्यु उपरांत
अग्रवाल पूजन सामग्री
एवं पूजन, पंडित व्यवस्था प्रतिष्ठान
दाह संस्कार से संबंधित सम्पूर्ण सामग्री आपके बताये पते पर भेज दी जावेगी एवं दूकान से भी प्राप्त कर सकते है।
9111712445, 8871253911 9111712445,7999526101
दाह संस्कार सामग्री लगभग 41 नग
खारी/ तीसरे दिन की पूजन सामग्री लगभग 27 नग
दशगात्र पूजन लगभग 51 नग
बारहवीं, तेरहवीं गंगाजली पूजन लगभग 251 नग
भोजन के लिए 13 ब्राह्मणों एवं गंगाजली पूजन के लिये 1 पंडित की सशुल्क व्यवस्था उपलब्ध है।
दुकान पता: "आपका साथी" बल्देवबाग पेट्रोल पम्प के पास स्मॉल वण्डर स्कूल के सामने, उखरी रोड, जबलपुर

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)